मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 124
शनिवार, 15 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बिहार में एनडीए को प्रचंड बहुमत, महागठबंधन की करारी हार

◆बिहार की जनता ने नीतीश कुमार और पीएम मोदी की जोड़ी पर पुनः भरोसा जताया

पटना, 14 नवम्बर। बिहार विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने तीन चौथाई से भी बड़े बहुमत के साथ राज्य के चुनावी इतिहास में अभूतपूर्व तथा अप्रत्याशित जीत दर्ज की है और विपक्षी महागठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया है। कुल 243 सदस्यीय विधान सभा के चुनाव की शुक्रवार को हुई मतगणना में अब तक प्राप्त नतीजों और रुझानों में राजग को 202 और महागठबंधन को 35 सीटें मिलने जा रही हैं जबकि छह सीटों पर अन्य उम्मीदवार विजय हुए हैं। बिहार में पहली बार चुनावी मैदान में उतरी जनसुराज का खाता भी नहीं खुल पाया है। राज्य के मतदाताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध औरह्यवोट चोरी'के विपक्ष के आरोपों को नकारने के साथ-साथ महागठबंधन के प्रत्येक परिवार को एक सरकारी नौकरी देने के लुभावने वादे भी नजरंदाज किया।

बिहार की जनता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जोड़ी के नेतृत्व पर पुनः भरोसा जताया है और उनके सुशासन और विकास के वादों को तरजीह दी है। माना जा रहा है कि चुनाव से ठीक पहले महिलाओं को दस-दस हजार रुपये की राशि की योजना ने राजग को अप्रत्याशित जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य में राजग के करीब 20 वर्ष के लंबे शासन के बावजूद मतदाताओं में सत्ता विरोधी लहर नहीं थी और नीतीश सरकार के चुनाव लड़ रहे ज्यादातर मंत्री अच्छे अंतर से जीते हैं।

एनडीए को 202 और महागठबंधन को 35 सीटें

राज्य में सबसे अधिक 143 सीटों पर लड़ने वाली राजद को परिणामों से भारी झटका लगा है। पिछले चुनाव में वह 75 सीटों के साथ विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। पिछले चुनाव में 19 सीटें हासिल करने वाली कांग्रेस को भी इस बार कड़ी शिकस्त मिली है। राजग में 101-101 सीटों पर लड़ने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सबसे अधिक 89 सीटें और जनता दल यू को 85 सीटें मिल रही हैं। गठबंधन के अन्य घटक दलों में 29 सीटों पर लड़ने वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 19 और हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा को पांच तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा को चार सीटें मिली हैं। महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को 25 , कांग्रेस को छह , भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा- माले) को दो और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को एक सीट मिल रही है। इसके अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को पांच और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को एक सीट पर सफलता मिलती नजर आ रही है। राजद सुप्रिमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को हार का सामना करना पड़ा है जिन्हें चुनाव से कुछ ही समय पूर्व राजद और परिवार से अलग-थलग कर दिया गया था। उन्होंने अपनी नई पार्टीह्यजनशक्ति जनता दल'बनाकर चुनाव लड़ा था। महागठबंधन ने राजद नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था लेकिन इस बार अपनी सीट पर उनकी जीत का अंतर पिछली बार की तुलना में आधे से कम रहा। गठबंधन के उप मुख्यमंत्री पद के चेहरे मुकेश सहनी की पार्टी अपना खाता खोलने में भी नाकाम रही। चुनाव परिणामों ने राजनीतिक पंडितों और चुनाव विश्लेषकों के सभी आकलनों को बहुत पीछे छोड़ दिया।

हमारा विजन देख जनता ने बहुमत दिया : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में शानदार जीत दर्ज की। राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से 200 से अधिक पर प्रभावशाली बढ़त हासिल की। साथ ही नवीनतम रुझानों से यह भी संकेत मिला कि भगवा पार्टी शानदार स्ट्राइक रेट के साथ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने की राह पर है। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया है। मोदी ने एक्स पर लिखा कि सुशासन की जीत हुई है। विकास की जीत हुई है। जन-कल्याण की भावना की जीत हुई है। सामाजिक न्याय की जीत हुई है।

मोदी ने आगे लिखा कि बिहार के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनावों में एनडीए को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत का आशीर्वाद दिया है। यह प्रचंड जनादेश हमें जनता-जनार्दन की सेवा करने और बिहार के लिए नए संकल्प के साथ काम करने की शक्ति

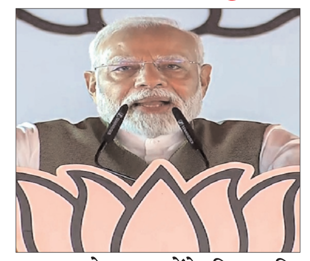

प्रदान करेगा। उन्होंने लिखा कि एनडीए ने राज्य का चौतरफा विकास किया है। लोगों ने हमारे ट्रैक रिकॉर्ड और राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे विजन को देखकर हमें भारी बहुमत दिया है। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी और एनडीए परिवार के हमारे सहयोगी चिराग पासवान जी, जीतन राम मांझी जी और उपेंद्र कुशवाहा जी को इस जबरदस्त जीत के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने लिखा कि मैं एनडीए के प्रत्येक कार्यकर्ता का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अथक परिश्रम किया है। उन्होंने जनता के बीच जाकर हमारे विकास के एजेंडे को सामने रखा और विपक्ष के हर झूठ का मजबूती से जवाब दिया। मैं उनकी हृदय से सराहना करता हूं! उन्होंने वादा किया कि आने वाले समय में हम बिहार के विकास, यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर और राज्य की संस्कृति को नई पहचान देने के लिए बढ़-चढ़कर काम करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यहां की युवा शक्ति और नारी शक्ति को समृद्ध जीवन के लिए भरपूर अवसर मिले।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा कि बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए की भव्य और अभूतपूर्व विजय ने बिहार प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के चुनावी इतिहास में एक सुनहरा अध्याय लिख दिया है। यह विकास की राजनीति की एक ऐतिहासिक जीत है।

इस बार के चुनावों में एनडीए को मिलने वाला तीन चौथाई बहुमत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व, उनकी विश्वसनीयता तथा सुशासन और विकास की राजनीति में जनता के अटूट भरोसे का प्रमाण है।

जंगलराज वालों ने जनता के बीच अपनी औकात देख ली : चिराग पासवान

पटना, 14 नवम्बर। बिहार में चिराग पासवान का राजनीतिक ग्राफ तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रहा है। 2020 के विधानसभा चुनावों के बाद एक मामूली व्यवधानकारी नेता के रूप में खारिज किए गए लोजपा (रामविलास) प्रमुख अब खुद को एनडीए के सत्ता समीकरण के केंद्र में पाते हैं, 2025 के चुनावों में शानदार प्रदर्शन से उत्साहित है। एनडीए की प्रचंड जीत पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि सबसे पहले मैं बिहार की महान जनता को विशेष धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूँ, जिन्होंने बिहार को विकास के पथ पर गति देने की सोच के साथ एनडीए को प्रचंड बहुमत देने का ऐतिहासिक फैसला लिया। बिहार और बिहारियों में सही समय पर सही फैसला लेने की बुद्धि और क्षमता है। इस एक जवाब ने कई सवालों पर पूर्ण विराम

लगा दिया है।

चिराग पासवान ने कहा कि जो लोग सीएम नीतीश कुमार के स्वास्थ्य, एनडीए के पिछले दो दशकों के कार्यकाल, पहले जंगलराज के अस्तित्व, मेरे प्रधानमंत्री बिहार को कितनी प्राथमिकता देते हैं और गठबंधन में मेरी भूमिका पर सवाल उठा रहे थे, इस परिणाम ने इन सभी सवालों का करारा जवाब दे दिया है... अगर 2020 में पांच दलों का यह एकजुट एनडीए होता, तो यह भी उतना ही शानदार प्रदर्शन करता। उन्होंने कहा कि एक तरफ हमने एकजुट एनडीए की ताकत देखी, वहीं दूसरी तरफ, राजद के अहंकार की पराकाष्ठा देखिए कि अभी जनादेश भी पूरा घोषित नहीं हुआ है और वो कह रहे हैं कि 18 नवंबर को शपथ लेंगे। जब महत्वाकांक्षा अहंकार का रूप ले लेती है, तो यही नतीजा होता है।

पासवान ने कहा कि जब कोई मुझ पर उंगली उठा रहा था, एनडीए की हार के लिए मुझे ज़िम्मेदार ठहरा रहा था, उस समय राजद अपनी क्षमता की वजह से नहीं, बल्कि एनडीए की खस्ता हालत की वजह से जीत रहा था। अगर उस समय एनडीए एकजुट होता, तो राजद 25 सीटें भी पार नहीं कर पाती... जंगलराज वालों ने बिहार की जनता के बीच अपनी औकात देख ली है।

पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस की जीत, देश का मूड है कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण अनिवार्य : अमित शाह

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचंड जीत की ओर बढ़ने को पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस (काम की राजनीति) और विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत करार देते हुए कहा कि इस राज्य की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति के लिये कोई जगह नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के लोगों ने जिस आशा और विश्वास के साथ राजग को जनादेश दिया है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार उससे अधिक समर्पण से उसे पूरा करेगी। उन्होंने कहा,

ज्ञान, परिश्रम और लोकतंत्र की रक्षक बिहार भूमि की जनता को कोटि-कोटि नमन। बिहारवासियों द्वारा राजग को यह प्रचंड जनादेश, बिहार में विकास, महिलाओं की सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण की राजग की संकल्प सेवा पर जनता की मुहर है। शाह ने कहा, पिछले 11 वर्ष में मोदी जी ने बिहार के लिए दिल खोलकर कार्य किए और नीतीश जी ने बिहार को जंगलराज के अंधेरे से बाहर निकालने का काम किया। यह जनादेश विकसित बिहार के संकल्प के लिए है। शाह ने कहा, बिहारवासियों का एक-एक वोट भारत की सुरक्षा और संसाधनों से खेलने वाले घुसपैठियों और उनके हितैषियों के खिलाफ मोदी सरकार की नीति में विश्वास का प्रतीक है। वोटबैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया है कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति के लिये कोई जगह नहीं है। शाह ने कहा, इसीलिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस आज बिहार में आखिरी पायदान पर आ गई है। उन्होंने चुनाव नतीजों को लेकर कहा कि यह विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने इस बात पर जोर दिया, जंगलराज और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले किसी भी भेष में आएं, उन्हें लूटने का मौका नहीं मिलेगा। जनता अब सिर्फ और सिर्फ पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस (काम की राजनीति) के आधार पर जनादेश देती है। नरेन्द्र मोदी जी और नीतीश कुमार जी व राजग के सभी नेताओं और कार्यकताओं को बधाई देता हूं। साथ ही, अपने अथक परिश्रम से इस परिणाम को चरितार्थ करने वाले बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक के भाजपा के सभी कार्यकताओं का अभिवादन करता हूं। शाह ने कहा, मैं बिहार की जनता और विशेषकर हमारी माताओं-बहनों को आश्वस्त करता हूं कि जिस आशा और विश्वास के साथ आपने राजग को यह जनादेश दिया है, मोदी जी के नेतृत्व में राजग सरकार उससे अधिक समर्पण से उसे पूरा करेगी।

राजग की जीत मोदी और नीतीश में लोगों के विश्वास का प्रकटीकरणः शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। एनडीए ने शुक्रवार को 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में 200 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया और एक ऐसा प्रचंड जनादेश दिया जिसने महागठबंधन का सफाया कर दिया। शुरूआती बढ़त जल्द ही एक विशाल उछाल में बदल गई, जिससे नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला गठबंधन राज्य में अपने सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन के कगार पर पहुँच गया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति लोगों के विश्वास को दशार्ती है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में इसे सुशासन और विकास की जीत बताया।

उन्होंने कहा कि बिहार में सुशासन और विकास की महाविजय हुई है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति बिहार की जनता की श्रद्धा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति विश्वास का प्रकटीकरण है। उन्होंने कहा, चाहे युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की बात हो, चाहे आधी आबादी को पूरा न्याय दिलाने का संकल्प हो या फिर हमारे अन्नदाताओं भाई-बहनों की आय बढ़ाने का मुद्दा; राजग की सरकार हर कसौटी पर खरी उतरी है। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने बिहार की जनता को प्रणाम करते हुए कहा कि उन्होंने बेहतर भविष्य और विकसित बिहार के लिए राजग को अपना भरपूर समर्थन दिया है।

उन्होंने कहा, इस जीत से बिहार के विकास को नई गति मिलेगी। वहीं पीएम मोदी ने भी अपनी खुशी जाहिर की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए की शानदार जीत की सराहना करते हुए इसे विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय के लिए जनादेश बताया। राज्य की जनता को धन्यवाद देते हुए एक विस्तृत संदेश में, प्रधानमंत्री ने परिणामों को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि जनता ने गठबंधन के ट्रैक रिकॉर्ड और भविष्य के विजन पर मुहर लगाई है। मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार अब बिहार के बुनियादी ढांचे को बदलने और राज्य की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के अपने प्रयासों में तेजी लाएगी। उन्होंने कहा, आने वाले समय में, हम बिहार के विकास के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे, यहाँ के बुनियादी ढांचे और राज्य की संस्कृति को एक नई पहचान देंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यहाँ की युवा शक्ति और महिला शक्ति को समृद्ध जीवन के पर्याप्त अवसर मिलें।

विकास का मार्ग चुनने के लिए बिहार की जनता को बधाई : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना में राजग के बड़ी जीत की ओर बढ़ने के मद्देनजर राज्य के लोगों को विकास का रास्ता चुनने के लिए बधाई दी।

एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली और बिहार आपस में जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली और बिहार के लोगों को बधाई। रुझान बता रहे हैं कि राजग जीत की ओर बढ़ रहा है... मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। बाद में, पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य ने विकास का रास्ता चुना है।

बिहार में बडबोली राजनीति की हार, सुशासन की नई सुबह

-ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक एवं अनूठी जीत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई व्यक्तित्व, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और उनकी जनस्वीकार्यता आज भी भारतीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती है। यह जीत सिर्फ एक गठबंधन की सफलता नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य की नई रूपरेखा का संकेत है। नीतीश कुमार के अनुभवी नेतृत्व, भाजपा की संगठनात्मक मजबूती और उभरते हुए युवा सितारे चिराग पासवान के प्रभावी प्रदर्शन ने मिलकर इस चुनाव को एनडीए के पक्ष में एक मिसाल बना दिया। एनडीए की जीत के पीछे उनके 10 प्रमुख वादे हैं जिनमें पंचामृत गारंटी, रोजगार सृजन, मुफ्त शिक्षा, महिलाओं के लिए योजनाएं, कृषि सुधार और बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। इस बार के चुनाव इसलिये भी खास रहे क्योंकि 1951 के बाद बिहार में इस बार सबसे ज्यादा वोट पड़े।

इस बार बिहार में 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ जो कि पिछले विधानसभा चुनाव से 9.6 प्रतिशत ज्यादा है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 8.15 प्रतिशत ज्यादा रहा है। इस बार के मतदान में पुरुषों की हिस्सेदारी 62.98 प्रतिशत रही और महिलाओं की 71.78 प्रतिशत। बिहार में 3.51 करोड़ महिला वोटर हैं और 3.93 करोड़ पुरुष वोटर और कुल मतदाताओं की तादाद 7.45 करोड़ है। बिहार विधानसभा चुनाव के ताजा रुझानों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 200 सीटों के आंकड़े को पार कर रहा है, इस जनादेश में महिला मतदाताओं की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसा प्रतीत होता है कि एकतरफा बिहार की महिलाओं का विश्वास जीत गया है, एनडीए विजयी हुआ है, बिहार विजयी हुआ है और महागठबंधन का बड़बोलापन हारा है।

महागठबंधन की करारी हार अपने आप में कई सवाल छोड़ती है। चुनावी रैलियों में भीड़ जरूर इकट्ठी हुई, भाषणों में तीखे हमले भी हुए, लेकिन विपक्ष जनता का विश्वास जीतने में विफल रहा। नेतृत्व की

अस्पष्टता, रणनीति की कमी, और विकास तथा सुशासन पर ठोस विजन की गैर-हाजिरी ने जनता को यह सोचने पर मजबूर किया कि सत्ता परिवर्तन से स्थिरता नहीं, बल्कि अनिश्चितता बढ़ सकती है। महागठबंधन बार-बार सामाजिक न्याय और पुराने नारों की दुहाई देता रहा, लेकिन आज का बिहार उन नारों से अधिक उम्मीदें रखता है-रोजगार, सुरक्षा, कानून व्यवस्था और बुनियादी सेवाओं की निरंतरता। इन मुद्दों पर विपक्ष का स्पष्ट और भरोसेमंद खाका सामने नहीं आ सका। यही कारण है कि उसके नेताओं की बड़बोली बयानबाजी जनता पर असर नहीं डाल सकी, बल्कि कई जगह उलटा असर दिखा गई।

इसके विपरीत एनडीए ने अपने चुनाव अभियान को ह्लस्थिरता $ विकासह्व के सूत्र में पिरोया। मोदी की राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता, केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां-योजनाएं और नीतीश कुमार की सुशासन-छवि ने बिहार के मतदाता को यह भरोसा दिया कि यह गठबंधन अनुभव, विश्वास, विकास और नीतिगत दृढ़ता का सही मिश्रण है। नीतीश कुमार भले कई राजनीतिक मोड़ों के लिए आलोचित हुए हों, लेकिन जनता के मन में उनकी छवि एक ऐसे प्रशासक की बनी हुई है, जो लंबे समय से बिहार को कानून-व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, सड़क-निर्माण और शिक्षा सुधार जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का प्रयास करता रहा है। इस छवि का लाभ एनडीए को व्यापक रूप से मिला। भाजपा की संगठनात्मक मशीनरी ने बूथ तक प्रभावी और लक्षित पहुंच बनाई, जिससे मतदाताओं में यह भरोसा मजबूत हुआ कि केंद्र व राज्य का समन्वय विकास की गति को और तेज करेगा। इन चुनावों का एक बड़ा आकर्षण चिराग पासवान का उभार रहा। उन्होंने यह साबित कर दिया कि वे किसी के ह्लमोहराह्व नहीं, बल्कि भविष्य के निर्णायक खिलाड़ी हैं। उनके आक्रामक और आत्मविश्वासी अभियान ने युवा और दलित वर्ग में नई ऊर्जा जगाई। एनडीए के भीतर उनकी भूमिका महज सांकेतिक नहीं थी, बल्कि वास्तविक जनाधार और असर से भरपूर रही। सीटों पर उनकी उल्लेखनीय पकड़ ने यह संदेश दिया कि वे आने वाले वर्षों में बिहार की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं। यह भी सच है कि उनकी बढ़ती लोकप्रियता नीतीश कुमार के लिए संतुलन साधने की चुनौती भी बन सकती है, लेकिन यदि गठबंधन समन्वय बनाए रखता है, तो बिहार को इससे मजबूत नेतृत्व का लाभ मिल सकता है।

अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस ऐतिहासिक जीत के बाद बिहार किस दिशा में आगे बढ़ेगा। जनता की अपेक्षाएँ बहुत ऊँची हैं-सुरक्षित समाज, संवेदनशील प्रशासन, भ्रष्टाचार पर अंकुश और विकास की तेज रफ्तार। कानून-व्यवस्था बिहार की राजनीति का सबसे संवेदनशील मुद्दा रहा है। लोग चाहते हैं कि अपराध-नियंत्रण में सुधार हो, पुलिस प्रशासन आधुनिक और जवाबदेह बने, और न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी आए। एनडीए के पास केंद्र और राज्य दोनों के संसाधन और राजनीतिक सामर्थ्य है, इसलिए उससे उम्मीद यह है कि वह ह्लसुशासन का दूसरा अध्यायह्व लिखने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा। भाजपा न सिर्फ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, बल्कि जेडीयू के बगैर भी वह एनडीए के अन्य सहयोगियों के साथ जादुई आंकड़े को पार करती नजर आ रही है। ऐसे में नीतीश कुमार के लिए भाजपा के साथ किसी तरह का बिहार में बार्गेनिंग करना आसान नहीं रह गया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से यह बार-बार दोहराया गया है कि चुनाव के बाद भी परिणाम चाहे जो भी आएं, गठबंधन के चेहरे नीतीश कुमार ही बने रहेंगे। जेडीयू की ओर से भी यह बात दोहराई गई है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे। फिलहाल इस पूरे चुनाव में महिला वोटर्स गेम चेंजर बताई जा रही हैं और ऐसा हुआ बिहार चुनाव से पहले महिला रोजगार योजना के तहत बिहार सरकार द्वारा महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये भेजे जाने से। वहीं चुनाव में महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है। निश्चित ही इन चुनाव परिणामों में बिहार का मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील दिखाई दिया हैं। वह जानता है कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता, विकास, कानून व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही। इस चुनाव ने केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं की है, बल्कि यह तय किया है कि अब बिहार की जनता अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ेगी। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा तो होती रही है, लेकिन इन जटिल से जटिलतर होती समस्याओं से बाहर निकलने के रास्ते दिखाई नहीं दिये। बिहार की जनता का मोदी के प्रति एक नये तरह का विश्वास जागा है। पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले इसलिये भी बने हैं कि इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। इस चुनावी जनादेश को केवल राजनीतिक वर्चस्व के चश्मे से नहीं, बल्कि जनविश्वास की कसौटी से देखना जरूरी है। यह जीत भाजपा, जेडीयू और एलजेपी (रामविलास) के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अब उन्हें यह साबित करना होगा कि चुनावी नारों की चमक शासन की रोशनी में भी कायम रह सकती है। बिहार की जनता ने महागठबंधन की ऊँची-ऊँची बातों, वंशवादी दावों और बड़बोले नेताओं की कटुता को नकारकर यह संदेश दिया है कि उन्हें स्थिरता, ईमानदार नेतृत्व और विकास का भरोसा चाहिए। इन चुनाव परिणामों ने एक बार फिर कांग्रेस को करारी हार दी है, जो पार्टी के लिये आत्ममंथन का बड़ा कारण है। एनडीए की यह जीत केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार के नए भाग्य का उदय है। अब देखते हैं कि यह उदय सच्चे अर्थों में उजाला बिखेरता है या सिर्फ राजनीतिक रोशनी भर साबित होता है।

विकास की राजनीति जंगलराज की परिकल्पना पर भारी

-सुरेश गांधी

बिहार के जनादेश ने भारतीय राजनीति को एक नया नैरेटिव दिया है, स्थिरता, विकास, सुरक्षा और नेतृत्व पर भरोसे का नैरेटिव। 2025 के इस महत्वपूर्ण चुनाव ने न केवल बिहार की सत्ता का रास्ता तय किया है, बल्कि देश की आगामी राजनीति के ढांचे और संभावनाओं का भी संकेत दिया है। जिस तरह से एनडीए को निर्णायक जनसमर्थन मिला, वह बताता है कि भारतीय मतदाता अब भावनात्मक नारों के बजाय स्पष्ट नीतियों, सुशासन और अपने जीवन में वास्तविक परिवर्तन को प्राथमिकता दे रहा है। यह जनादेश मात्र सीटों की जीत नहीं, बल्कि नेतृत्व, नीति और नीयत के मॉडल की स्वीकारोक्ति है। बिहार की जनता ने एक बार फिर उस राजनीति को मजबूत किया है, जो विकास को केंद्र में रखती है, भ्रष्टाचार और अपराध पर कठोरता दिखाती है, और सामाजिक संतुलन व सुरक्षा के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता रखती है. मतलब साफ है बिहार का यह जनादेश सिर्फ एक राज्य का फैसला नहीं। इसने राष्ट्रीय स्तर पर भी भाजपा और एनडीए को नई ऊर्जा दी है। आने वाले महीनों में जब अन्य राज्यों में चुनाव होंगे, बिहार का यह संदेश वहाँ भी गूंजने वाला है, स्थिर नेतृत्व, विकास-केन्द्रित शासन और सुरक्षित समाज का मॉडल ही भविष्य की राजनीति की धुरी बनेगा. विशेष रूप से यूपी-2027 के लिए यह परिणाम एक सकारात्मक संकेत है। यदि यूपी में योगी सरकार अपनी गति बरकरार रखे, तो यह जनादेश राष्ट्रीय प्रवाह को और मजबूती देगा

बिहार के ताजा चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया है कि राज्य की जनता ने इस बार स्थिरता, विकास और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी है। मतगणना के रुझानों में एनडीए का लगातार आगे रहना सिर्फ एक राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि बदलती जनभावनाओं का संकेत है। नीतीश कुमार नेतृत्व वाली सरकार की ओर झुकता जनादेश बताता है कि मतदाता इस समय स्थिर विकास और सुरक्षा की गारंटी को सर्वाधिक महत्व दे रहे हैं। लेकिन इस विजय के पीछे सिर्फ एक कारण बताना आसान नहीं। इस जीत का कैनवास कहीं बड़ा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रभाव, नीतीश की प्रशासनिक साख, स्थानीय विकास योजनाएं, विपक्ष की रणनीतिक कमजोरी और जातीय समीकरणों का बदला हुआ रुझान, सभी ने मिलकर एक संयुक्त ऊर्जा पैदा की, जिसने एनडीए को निर्णायक बढ़त दिलाई। यह चुनाव इस मायने में भी अहम है कि इसने राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रभाव को एक बार फिर स्थापित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा, उनके द्वारा प्रस्तुत नए भारत की कल्पना, विकास-उन्मुख नीतियां और सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन की सोच लोगों तक सीधी पहुंच रखती है। दूसरी ओर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन की छवि, कठोर प्रशासन, निर्णायक कार्रवाई, कानून-व्यवस्था पर पूर्ण नियंत्रण, बिहार के मतदाताओं को आश्वस्त करती रही। मोदी - योगी की संयुक्त छवि ने एक वैचारिक ढांचा दिया, सरकार कठोर भी हो सकती है और संवेदनशील भी। विकास का काम सिर्फ कागज पर नहीं, जमीन पर संभव है। भ्रष्टाचार, अपराध, माफिया-राज और जातीय उन्माद से ऊपर उठकर भी राजनीति चल सकती है। बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी सर्किलों तक, यह संदेश लगातार गूंजता रहा कि भाजपा नेतृत्व वाली सरकार स्थिरता और सुरक्षा का भरोसा देती है। इस भरोसे ने परिणामों को निर्णायक बनाया। इस चुनाव की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि युवा मतदाताओं ने बड़ी संख्या में एनडीए को समर्थन दिया। यह पीढ़ी जातीय जकड़न से मुक्त है, रोजगार और अवसरों पर केंद्रित है, तकनीक और वैश्विक परिवर्तनों को समझती है। इसे वह नेतृत्व पसंद आता है जो स्पष्ट दिशा देता है और प्रदर्शन के आधार पर वोट मांगता है।

फिरहाल, बिहार का जनादेश सिर्फ चुनाव नहीं, भविष्य का खाका है. 2025 का बिहार चुनाव इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में दर्ज होगा। इसने भारतीय लोकतंत्र को बताया कि जनता विकास को प्राथमिकता देती है, अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति शून्य-सहिष्णुता चाहती है, महिलाओं और युवाओं का वोट अब निर्णायक शक्ति बन चुका है, राष्ट्रीय नेतृत्व का प्रभाव अब भी मजबूत है, सुशासन का मॉडल अब भारत की नई पहचान है। बिहार ने यह भी सिद्ध किया है कि राजनीति अब उस दिशा में बढ़ रही है जहां नीति, प्रदर्शन, नेतृत्व, और विकास ही जनादेश की असली कसौटी होंगी। आज बिहार की जनता ने जिस स्थिरता और सुशासन पर भरोसा जताया है, वह आने वाले समय में भारत की राजनीतिक धारा की दिशा निर्धारित करेगा। और यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है, जनादेश देश का भविष्य गढ़ता है। खास यह है कि चुनाव में युवाओं की प्राथमिकताएं तीन रहीं: 1. रोजगार और उद्यमिता के अवसर, 2. आधुनिक शिक्षा और तकनीकी ढांचे का विस्तार, 3. सुरक्षित सामाजिकद्दआर्थिक वातावरण. एनडीए ने इन तीनों मुद्दों पर अपनी नीतियों, कार्यक्रमों और चुनावी संदेश में मजबूती के साथ बात रखी। इसी कारण युवाओं में मोदी, योगी के प्रति विश्वास मजबूत हुआ, क्योंकि वे दोनों नेतृत्व परफॉर्मेंस-बेस्ड गवर्नेंस का मॉडल पेश करते हैं। इस पीढ़ी ने यह भी स्पष्ट किया कि उसे ऐसी पार्टियां पसंद नहीं जो केवल नारा-आधारित राजनीति करती हैं। वह चाहता है कि राजनीतिक स्थिरता बनी रहे, ताकि विकास की गति प्रभावित न हो।

बिहार ने दिखाया कि महिला सशक्तिकरण अब सिर्फ योजना नहीं, जनादेश है. इस बार महिलाओं की वोटिंग पैटर्न ने बिहार के चुनाव को नई दिशा दी। किसी भी चुनाव में महिलाओं की इतनी संगठित और प्रभावी भूमिका पहले कभी दिखाई नहीं दी, चाहे मतदान प्रतिशत हो, प्रत्याशियों का चयन हो, या मुद्दों की प्राथमिकता। इसकी बड़ी वजह रही, महिला सुरक्षा पर सख्त नीति, उज्ज्वला, आवास, शौचालय, नल-जल, मातृत्व लाभ, जनधन जैसे कार्यक्रमों का सीधा लाभ, घरेलू हिंसा, अपराध और सामाजिक असुरक्षा के मुद्दे पर स्पष्ट और निर्णायक शासन मॉडल, सड़कों, बिजली और आवागमन में सुधार की वजह से बढ़ी आर्थिक स्वतंत्रता, महिलाओं ने यह महसूस किया कि एनडीए शासन में उनका जीवन अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक है। इसी कारण महिला वोट बैंक निर्णायक रूप से एनडीए की ओर गया। इसके अलावा विकास की राजनीति ने जातीय राजनीति पर निर्णायक बढ़त ली. बता दें, भारतीय राजनीति में जातीय समीकरण हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं, विशेषकर बिहार जैसे राज्यों में। लेकिन इस चुनाव ने एक बड़ा परिवर्तन दर्ज किया, जहाँ विकास की राजनीति जातीय राजनीति पर भारी पड़ी। एनडीए ने सभी समुदायों को जोड़ने की रणनीति अपनाई। जनता ने पहली बार यह स्पष्ट संदेश दिया, राशन से ज्यादा रोजगार जरूरी है, सत्ता से ज्यादा सुरक्षा जरूरी है, वोट से ज्यादा विकास जरूरी है। एनडीए ने पिछले वर्षों में ग्रामीण कनेक्टिविटी, मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर, हर घर बिजली, जल आपूर्ति, कौशल विकास, किसान योजनाओं और सड़क, रेल नेटवर्क में जिस गति से काम किया, वह जनमत में परिवर्तित हुआ।

भारत की नई राजनीतिः युवा, महिलाएं और विकास-उन्मुख नेतृत्व की तिकड़ी

हमारे लोकतंत्र में यह शायद पहली बार है कि चुनावी परिणाम स्पष्ट रूप से बताता है कि महिलाएं परिवर्तन की धुरी बन चुकी हैं, युवा भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं, नेतृत्व की विश्वसनीयता ही वोट की असली कसौटी है, और विकास का मॉडल ही आगे राजनीति चलाएगा। बिहार का जनादेश तीन समूहों की संयुक्त शक्ति है: 1. युवा शक्ति, जो परंपरागत राजनीति से अलग सोचता है, नए अवसर चाहता है, और डिजिटल भारत के साथ विकसित होना चाहता है। 2. नारी शक्ति, जो सुरक्षा, सम्मान और सुविधा के आधार पर वोट करती है और स्वयं को देश के बदलते सामाजिकद्दआर्थिक ढांचे का केंद्र मानती है। 3. विकास-प्रेमी नागरिक, जो जातिद्दधर्म से ऊपर उठकर अपने गांव - कस्बे की सड़कें, बिजली, पानी, अस्पताल और शिक्षा को प्राथमिकता देता है। इन तीनों की संयुक्त दिशा ने एनडीए को अभूतपूर्व समर्थन दिया और यह बताता है कि देश की राजनीति अब परिपक्व हो चुकी है।

मोदी-योगी फैक्टर, बिहार में असर दिखाया?

यह अब राजनीतिक सत्य बन चुका है कि राष्ट्रीय स्तर के करिश्माई नेतृत्व का प्रभाव राज्यीय चुनावों में भी पड़ता है। बिहार में भी ऐसा ही हुआ। मोदी की विकास-धारा और योगी की सख्त कानून-व्यवस्था वाली छवि ने बिहार के वोटरों को भरोसा दिलाया कि एनडीए की सरकार सुरक्षा और प्रशासन दोनों को स्थिर रखेगी। हालांकि चुनाव सिर्फ पोस्टर-चेहरों पर नहीं जीते जाते। भाजपा-जद(यू) के जमीनी कार्यकताओं, बूथ प्रबंधन, लाभान्वित वर्गों के टार्गेटेड आउटरीच और ग्रामीण बस्तियों में लगातार संपर्क ने इस ह्यनेतृत्व प्रभावह्न को वास्तविक वोट में बदलने का काम किया। इसलिए कहा जा सकता है कि मोदी-योगी का ग्लैमर प्रभावी रहा, लेकिन निर्णायक भूमिका स्थानीय राजनीतिक गणित और विकास योजनाओं ने निभाई।

विकास बनाम जंगलराज

इस चुनाव में एक दिलचस्प मुकाबला देखा गया, एनडीए ने विकास, सड़क, बिजली, कल्याण योजनाओं, कानून-व्यवस्था व स्थिरता को केंद्र में रखा; वहीं विपक्ष (विशेषकर आरजेडी) सामाजिक न्याय और कथित ह्नभेदभावह्व के नैरेटिव पर आधारित कैंपेन लेकर सामने आया। लेकिन जनता ने तुलना अपने अनुभव के आधार पर की। एनडीए ने पिछली कई योजनाओं, मुफ़्त बिजली यूनिट, सड़कों के तेज विस्तार, स्वास्थ्य केंद्रों में सुधार, महिलाओं की सुरक्षा और केंद्र की उज्ज्वला, आवास जैसी योजनाओं, को चुनाव में बखूबी पैकेज किया। इसके मुकाबले विपक्ष का जंगलराज का पुराने दौर से दूरी बनाने का प्रयास मतदाताओं को पूरी तरह आश्वस्त नहीं कर पाया। जातीय समीकरण तो चले, पर समीकरणों से ऊपर उठकर कई वर्गों ने स्थिर शासन को अधिक महत्व दिया।

बिहार जनादेश ने लिखा यूपी-2027 की पटकथा

बिहार के नतीजों का एक बड़ा सवाल यूपी-2027 पर खड़ा होता है, क्या योगी आदित्यनाथ को भी यही राजनीतिक लाभ मिलेगा? उत्तर प्रदेश और बिहार सामाजिक ढांचे में भले ही समानताएं रखते हों, पर राजनीतिक समीकरण बिल्कुल अलग हैं। यूपी में विपक्ष कहीं अधिक संगठित है, जातीय संतुलन भिन्न है, और स्थानीय मुद्दे अलग हैं। फिर भी, बिहार के परिणाम यह संकेत जरूर देते हैं कि केंद्र का नेतृत्व $ सख्त प्रशासन $ लाभकारी योजनाएँ एक शक्तिशाली फॉर्मूला बन चुका है। योगी सरकार यदि 2027 तक अपने विकास मॉडल को मजबूत रखती है, कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर अपनी पकड़ नहीं ढीली पड़ने देती, और क्षेत्रीय नेतृत्व को साथ लेकर चलती हैकृतो वर्तमान राजनीतिक हवा उसके पक्ष में जा सकती है। संकेत सकारात्मक हैं, लेकिन अंतिम लड़ाई यूपी के मैदान में ही तय होगी।

एनडीए की लहर अब देशभर में बनेगी?

बिहार का जनादेश राष्ट्रीय राजनीति में मनोवैज्ञानिक मजबूती का काम जरूर करता है। यह परिणाम बताता है कि विपक्ष का सिर्फ गठबंधन बनाना पर्याप्त नहीं, स्पष्ट नेतृत्व, मजबूत कैडर, स्थिरता और विश्वसनीय प्रदर्शन का पैकेज जनता को अधिक आकर्षित कर रहा है। लेकिन साथ ही यह भी सच है कि हर राज्य की जमीन अलग है। इसलिए एनडीए को यह जीत अन्य राज्यों में सीधे कॉपी करने की बजाय उसे स्थानीय मुद्दों के साथ ट्यून करना होगा। फिलहाल इतना साफ है कि एनडीए का राजनीतिक आत्मविश्वास बढ़ा है, विपक्ष की चुनौतियाँ बढ़ी हैं और राष्ट्रीय राजनीति 2026 - 27 में एक नए मोड़ पर खड़ी होती दिख रही है।

बिहारी नतीजे से देश भर में महसूस होगी गर्माहट

बिहार के नतीजे सिर्फ एक राज्य की सरकार तय नहीं कर रहे, यह आने वाले वर्षों की राष्ट्रीय राजनीति के स्वरूप की झलक भी दिखा रहे हैं। इस वोट ने विकास, स्थिरता और सख़्त शासन के पक्ष में अपना फैसला सुनाया है। साथ ही यह संदेश भी दिया है कि मतदाता अब सिर्फ भावनाओं से नहीं, अपने रोजमर्रा के जीवन की गुणवत्ता और सुरक्षा के आधार पर निर्णय ले रहे हैं। एनडीए इसे राष्ट्रीय स्तर पर भुना पाएगा या नहीं, यह भविष्य के चुनावी मैदान तय करेंगे। लेकिन इतना निश्चित है कि बिहार का जनादेश 2025 भारत की राजनीति को नई दिशा देने की ताकत रखता है।

देश की राजनीति पर इसका प्रभावः एनडीए की मजबूती और 2026-2027 की आगामी दिशा

राष्ट्रीय स्तर पर तीन संकेत उभरते हैं: 1. एनडीए की लोकप्रियता व्यापक हो रही है। 2. जनता का भरोसा नेतृत्व और नीति आधारित राजनीति की ओर बढ़ रहा है। 3. विकास की राजनीति आने वाले वर्षों में निर्णायक होने वाली है।

विपक्ष की कमजोरियां: कुनेतृत्व का अभाव, रणनीति की टूटन और विश्वसनीयता का संकट

परिणाम बताता है कि विपक्ष अभी भी स्पष्ट वैकल्पिक मॉडल देने में असफल रहा। विपक्ष के पास न तो राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत नेतृत्व था और न ही ठोस नीति-पत्र। जातीय समीकरण पर अत्यधिक निर्भरता, भ्रष्टाचार और पुराने जंगलराज की स्मृतियां, नए मतदाताओं को जोड़ने में असफलता, विकास-अर्थव्यवस्था की ठोस योजना का अभाव, इन सभी ने मिलकर विपक्ष के लिए नुकसान किया। जबकि नीतीश कुमार की प्रशासनिक साख और भाजपा का संगठनात्मक ढांचा, इन दोनों ने मिलकर एक प्रभावी प्रशासनिक गठजोड़ पेश किया। इस मॉडल का सबसे बड़ा आधार रहा, शांति और कानून-व्यवस्था का संरक्षण. बिहार की जनता ने यह अनुभव किया कि सड़कें बेहतर हैं, बिजली भरोसेमंद है, महिलाओं के लिए वातावरण अधिक सुरक्षित हुआ है, पुलिस तंत्र जवाबदेह हुआ है, योजनाएँ सीधे लाभार्थी तक पहुंच रही हैं। यही बदलाव वोटों में बदल गया।

बिहार ने यादवों और गांधी परिवार को पूरी तरह से हाशिये पर ढकेला

-अजय कुमार

लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव कहे जाने वाले चुनावों में बिहार ने इस बार जो फैसला दिया, उसने देशभर के राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया। राज्य की जनता ने जातीय समीकरणों और पारंपरिक परिवारवाद की राजनीति से ऊपर उठकर स्पष्ट रूप से विकास, नेतृत्व और स्थिरता को प्राथमिकता दी। परिणाम यह रहा कि मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और भारतीय जनता पार्टी की गठबंधन सरकार को भारी बहुमत मिला, जबकि यादव और गांधी परिवार का प्रभाव लगभग समाप्त होता दिखा। तेजस्वी यादव, राहुल गांधी और अखिलेश यादव जैसे चेहरों का कथित सेक्युलर गठबंधन इस बार मतदाताओं को भरोसा दिलाने में नाकाम रहा। राज्य में कुल 243 विधानसभा सीटों में से एनडीए ने करीब 175 सीटें हासिल कर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। इसमें भाजपा के खाते में 99 सीटें आईं, जबकि जनता दल यूनाइटेड ने 68 सीटें जीतीं। इसके अलावा छोटे सहयोगी दलों, हम, वीआईपी और रालोसपा को भी कुल मिलाकर आठ सीटें मिलीं। इस जीत ने न केवल नीतिश कुमार की साख दोबारा मजबूत कर दी बल्कि भाजपा को भी बिहार की राजनीति में निर्णायक स्थिति में पहुंचा दिया। दूसरी ओर, महागठबंधन के लिए यह चुनाव लगभग विनाशकारी साबित हुआ। राजद मात्र 35 सीटों पर सिमट गया, कांग्रेस 7 पर और वामदलों को कुल मिलाकर सिर्फ 5 सीटें मिलीं। यही नहीं महागठबंधन के सीएम फेस और राजद नेता तेजस्वी यादव भी अपने चुनाव क्षेत्र में बार बार पीछे हो रहे हैं, यदि तेजस्वी जीतते भी हैं तो उनकी जीत का अंतर काफी कम रहने वाला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज विदेश में घूम रहे हैं जबकि उनको अपने कार्यकताओं को ढाढस बनाने के लिये उनके बीच मौजूद होना चाहिए था। एनडीए को सभी वर्गो के वोट मिले यही वजह थी जेडीयू के मुस्लिम प्रत्याशी भी मैदान में अच्छा प्रर्दशन करते हुए दिखाई दिये।तेजस्वी यादव के लिए यह परिणाम एक बड़ा झटका है। वे लगातार अपनी राजनीति को युवाओं के ने और रोजगार के मुद्दे पर केंद्रित करते हुए बिहार में बदलाव की बात कर रहे थे। लेकिन जनता ने उन्हें अवसर देने से इनकार कर दिया। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई को मुख्य मुद्दा बनाया, परंतु एनडीए ने इसे विकास बनाम जातिवाद की लड़ाई के रूप में पेश किया और इसी रणनीति ने सभी जातीय गणनाओं को ध्वस्त कर दिया। यादव मतदाताओं के अलावा अन्य पिछड़ी जातियों, दलितों और अति पिछड़ों का बड़ा वर्ग इस बार पहली बार पूरी मजबूती से एनडीए के पक्ष में खड़ा दिखा।

राहुल गांधी और अखिलेश यादव की संयुक्त रैलियाँ भी जमीन पर असर नहीं डाल पाईं। राहुल गांधी की सभाएँ सीमित भीड़ में सिमटकर रह गईं और कांग्रेस की संगठनात्मक कमजोरी फिर एक बार उजागर हो गई। महागठबंधन के कई उम्मीदवार खुद स्थानीय स्तर पर प्रचार के लिए अपने दम पर संघर्ष करते दिखाई दिए। वहीं भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी के नेतृत्व में प्रचार को आक्रामक अंदाज में चलाया। पटना, गया, दरभंगा, भागलपुर और बक्सर जैसे जिलों में मोदी की सभाओं में भारी भीड़ ने इस बात के संकेत पहले ही दे दिए थे कि मतदाताओं का झुकाव केंद्र की योजनाओं और मजबूत नेतृत्व की ओर है।

नीतिश कुमार के लिए यह चुनाव साख बनाम थकान की लड़ाई कहलाया जा रहा था। कई विश्लेषकों ने दावा किया था कि नीतिश के पक्ष में एंटी इंकम्बेंसी विरोधी लहर काम करेगी, लेकिन अंतिम परिणाम ने सभी आकलनों को गलत साबित कर दिया। एनडीए ने करीब 46 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया, जबकि महागठबंधन 38 प्रतिशत पर सिमट गया। इसका अर्थ यह हुआ कि बिहार की जनता ने स्थिर प्रशासन और राजनीतिक परिपक्वता को जातीय समीकरणों से ऊपर रखा। ग्रामीण इलाकों में एनडीए की योजनाओं का सीधा असर दिखा। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला गैस कनेक्शन और हर घर नल योजना जैसे प्रोजेक्ट्स ने महिलाओं और गरीब तबके को सीधे लाभ पहुँचाया। इन्हीं स्कीमों ने घर घर में भाजपा और जेडीयू की पकड़ को मजबूत किया। इसके अलावा, कानून व्यवस्था में सुधार और नीतिश कुमार की छवि अब भी सुशासन बाबू के रूप में लोगों के मन में कायम रही।

दूसरी ओर, युवा मतदाताओं ने तेजस्वी यादव की बातों को दिलचस्प तो पाया, लेकिन अनुभवहीनता और अतीत में उनके परिवार पर लगे आरोपों ने उन्हें पूरी तरह समर्थन नहीं दिया। लालू प्रसाद यादव के समय की पिछली राजनीतिक यादें जंगलराज, अपराध और परिवारवाद अभी भी बिहार के मतदाताओं के मन में ताजा हैं। यही कारण रहा कि तेजस्वी की परिवर्तन यात्रा का असर सीमित इलाकों तक ही रहा। राहुल गांधी की भूमिका भी महागठबंधन में केवल प्रतीकात्मक दिखी। कांग्रेस ने अपने पारंपरिक गढ़ जैसे सासाराम, कटिहार और किशनगंज में भी हार का सामना किया। पार्टी का वोट शेयर घटकर मात्र 6.5 प्रतिशत रह गया। इस पराजय के साथ ही कांग्रेस का राज्य स्तर पर भविष्य बेहद धुंधला होता दिखाई दे रहा है। अखिलेश यादव ने भी महागठबंधन के समर्थन में कुछ सभाएँ कीं, मगर उनका प्रभाव सीमित रहा। उत्तर प्रदेश की राजनीति से लेकर बिहार की जातीय संरचना तक, उनका हस्तक्षेप मतदाताओं पर असर छोड़ने में नाकाम रहा। बिहार के मतदाताओं ने साफ संदेश दिया कि उन्हें बाहरी नेताओं के भावनात्मक भाषणों की जगह स्थानीय मुद्दों पर ठोस जवाब चाहिए।

इस चुनाव का एक दिलचस्प पहलू यह भी रहा कि महिलाओं ने इस बार रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया। महिला वोटिंग प्रतिशत 61 प्रतिशत तक पहुंचा, जो पुरुषों की तुलना में तीन प्रतिशत अधिक था। नीतिश कुमार ने कुछ महीनों पहले महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर विशेष योजनाएं शुरू की थीं, जिनका असर मतदान में साफ तौर पर दिखा। भाजपा की महिला कार्यकताओं ने भी ग्रामीण स्तर पर संगठन मजबूत करने में बड़ा योगदान दिया। अब सवाल यह है कि इस बंपर जीत के बाद बिहार की राजनीति किस दिशा में जाएगी। नीतिश कुमार आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं और भाजपा ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वह मिलकर स्थिर सरकार चलाएगी। हालांकि पार्टी के अंदर कुछ नेता चाहते हैं कि धीरे धीरे भाजपा राज्य नेतृत्व में प्रमुख भूमिका निभाए। बिहार में यह संभवतः उस नए चरण की शुरूआत होगी जहाँ भाजपा मैदान में मुख्य भूमिका में उभरेगी और जेडीयू सहयोगी की भूमिका निभाएगी।

महागठबंधन में निराशा का माहौल है। तेजस्वी यादव अब संगठनात्मक सुधार की बात कर रहे हैं और पार्टी को नए सिरे से खड़ा करने का संकल्प जता रहे हैं। मगर चुनौती यह है कि मतदाता अब पारिवारिक राजनीति के बजाय नए चेहरों, गंभीर योजनाओं और ठोस नीतिगत दृष्टिकोण को महत्व देने लगे हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव साफ चेतावनी की तरह है कि बिना जनाधार, बिना संगठन और बिना मजबूत नैरेटिव के केवल गठबंधन के भरोसे सत्ता तक पहुँचना नामुमकिन है। इस तरह बिहार चुनाव 2025 केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं बल्कि एक युगांतकारी जनादेश बन गया, जिसने परिवार आधारित राजनीति, जातिगत समीकरणों और भावनात्मक भाषणों की जगह नीति, प्रशासन और प्रदर्शन को प्राथमिकता दी। बिहार की जनता ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब न उन्हें नाम चाहिए, न वंश, बल्कि काम करने वाला नेतृत्व चाहिए। यह परिणाम न केवल राज्य की राजनीति बल्कि भारत के आने वाले चुनावी परिदृश्य के लिए भी संकेत देता है कि परिवारवाद का दौर धीरे धीरे खत्म हो रहा है और जनता अब केवल उसी को पसंद करेगी जो उनका भरोसा जीत सके।

नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुंबई ने पेश किया पावर चैंप्स कैम्पेन

मुंबई। नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुंबई ने इस बाल दिवस के अवसर पर अपनी नई बाल-केंद्रित पहल पावर चैंप्स अभियान की शुरूआत की है। बच्चों की देखभाल में अपनी विशेषज्ञता और संवेदनशील दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध यह अस्पताल अब पारंपरिक चिकित्सा संवादों से आगे बढ़कर बच्चों और उनके परिवारों से एक भावनात्मक और जुड़ावभरा रिश्ता बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। पावर चैंप्स पहल के तहत बच?चों के लिए बनाए गए सुपरहीरो मैस्कॉट्स की एक रंगीन और प्रेरक दुनिया पेश की गई है, जो अस्पताल को बच्चों के लिए एक भरोसेमंद और पसंदीदा जगह के रूप में स्थापित करती है। यह कदम अस्पताल की पहचान को केवल बेहतर डॉक्टर या उन्नत तकनीक जैसी कार्यात्मक बातों से आगे ले जाकर उसे खुशी, आशा और हिम्मत जैसे मूल्यों से जोड़ता है। इन हीरो किरदारों के जरिए अस्पताल के अनुभव को बच्चों के लिए अधिक आत्मीय, उत्साहवर्धक और प्रेरणादायक बनाया जा रहा है। नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. जुबिन परेरा ने कहा, इस पहल की सोच एक साधारण लेकिन गहरी समझ से विकसित हुई है? कि- हर बच्चा किसी न किसी हीरो को अपना आदर्श मानता है।

बिहार में बीजेपी की प्रचंड जीत प्रधानमंत्री पर जनता के विश्वास की मुहर : आचार्य पवन त्रिपाठी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बिहार में बीजेपी की प्रचंड जीत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास की मुहिम, सुशासन के मंत्र पर जनता के भरोसे की मुहर है। देश सकारात्मक राजनीति चाहता है, विपक्ष के बंटवारे की लड़ाई को नया भारत पूरी तरह से नकार रहा है। जो लोग भी कांग्रेस के साथ गए हैं, सभी की हार तय है, चाहे तेजस्वी हों, अखिलेश हों या उद्धव ठाकरे हों। श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष और मुंबई बीजेपी के नव नियुक्त महामंत्री आचार्य पवन त्रिपाठी ने पूरे विश्वास के साथ कहा कि महाराष्ट्र में होने वाले बीएमसी समेत पूरे राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी का परचम लहराएगा। महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस जी के नेतृत्व में बीएमसी में बीजेपी का महापौर आएगा, महायुति की जीत होगी। मुंबई की जनता को देवा भाऊ के वादों पर भरोसा है। देवेंद्र जी के नेतृत्व में मेट्रो, कोस्टल रोड, वाटर ट्रांसपोर्ट, एलिवेटेड रोड का काम शुरू है। मुंबई को सुरक्षित और विकसित बनाने का बीजेपी का संकल्प है।

आई बाबा फाउंडेशन की ओर से बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आई बाबा फाउंडेशन की ओर से आज बाल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। समाज के सड़क पर रहने वाले अनाथ, गरीब और वंचित बच्चों के चेहरों पर मुस्कान आणने के उद्देश्य से इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस उपक्रम में आई बाबा फाउंडेशन के अध्यक्ष योगेश मौर्य स्वयं उपस्थित रहे और बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों बच्चों को बैडमिंटन किट, खाने के पैकेट, खिलौने तथा अन्य आवश्यक सामग्री बांटी गई। बच्चों के चेहरों पर दिखाई देने वाली खुशी इस कार्यक्रम को और भी अर्थपूर्ण बनाती रही।

आई बाबा फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से समाज के वंचित तबकों के लिए विभिन्न सामाजिक उपक्रम चला रहा है। विशेष रूप से अनाथ और गरीब बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों, अध्ययन सामग्री, मार्गदर्शन तथा प्रोत्साहन के क्षेत्र में संस्था निरंतर कार्यरत है। बच्चों को शिक्षा, खेल और संस्कार मिले, इस उद्देश्य से संस्था वर्षभर विभिन्न उपक्रम, शिविर और जनजागृति कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।

निधन पर शोक व्यक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रमेश कुमार लालता प्रसाद प्रजापति निवासी कमरा नंबर दो शंकर कदम चाल शास्त्री नगर कलिना चर्च के पीछे कलीना सांताक्रूज मुंबई का गति दिवस हृदय गति रुकने से 8 नवंबर 2025 को मौत हो गई। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिला, तहसील शाहगंज के ग्राम सभा निजामपुर के रहने वाले थे। वह मुंबई में रहकर चार्टर्ड अकाउंटेंट का काम कर अपना व अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। परंतु अचानक हृदय गति रुकने से उनका निधन हो गया उनके निधन की खबर सुन उनके सगे संबंधी व समाज के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। उनका दाह संस्कार मुंबई के कलिना में किया गया। इस अवसर पर उनके सगे संबंधियों एवं समाज के लोगों ने एक शोक सभा कर अमृत की आत्मा को शांति के लिए ईश्वर से अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

बिहार में भाजपा को मिली अभूतपूर्व जीत पर पूर्व नगरसेवक यशवंत टावरे द्वारा मनाई गया विजय उत्सव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। बिहार राज्य में हुये चुनाव के परिणाम में भाजपा की अभूतपूर्व विजय पर जहां देश भर में विजयोत्सव मनाया जा रहा है वहीं भिवंडी के भंडारी चौक पर पूर्व नगरसेवक व भाजपा नेता यशवंत टावरे व पूर्व भिवंडी महिला अध्यक्ष सुनीता टावरे द्वारा मनाया गया विजय उत्सव। बताते हैं कि भंडारी चौक क्षेत्र में उत्तर भारतीय बाहुल्य क्षेत्र होने की वजह से यशवंत टावरे द्वारा उत्तर भारतीय लोगों के लिए सदैव कोई न कोई कार्यक्रम व उत्सव मनाने में मुख्य भूमिका निभाते रहते हैं। इसी तरह बिहार चुनाव में भाजपा गठबंधन में सभी पार्टियों को अभूतपूर्व जीत हासिल होने पर भारी संख्या महिला एवं पुरुष उपस्थित रहकर एक दूसरे को मिठाइयाँ खिलाकर ढोल नगाडे के साथ झूमते हुये खुशियाँ मनाई।

गोदरेज एग्रोवेट ने 70 करोड़ के निवेश के लिए आंध्र प्रदेश राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई/पटना। भारत के सबसे बड़े विविधीकृत कृषि-खाद्य व्यवसायों में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने आज आंध्र प्रदेश राज्य सरकार के साथ एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के तहत, कंपनी अपने डेयरी व्यवसाय में डेयरी प्रसंस्करण और मूल्य वर्धित उत्पाद क्षमताओं का विस्तार करने के लिए 70 करोड़ का निवेश करेगी और ताड़ के तेल किसानों के लिए वन-स्टॉप समाधान केंद्र व नए समाधान केंद्र स्थापित करेगी। इस समझौता ज्ञापन पर आंध्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, श्री नारा चंद्रबाबू नायडू, गारू; सुनील कटारिया, एमडी और सीईओ, गोदरेज एग्रोवेट और राकेश स्वामी, ग्रुप प्रेसिडेंट - कॉर्पोरेट अफेयर्स, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

नवाब मलिक को तगड़ा झटका, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोर्ट ने आरोप तय करने का दिया आदेश

मुंबई। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत ने गुरुवार को महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राकांपा नेता नवाब मलिक से जुड़े धन शोधन मामले में आरोपी संस्थाओं में से एक, मलिक इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा दायर आरोपमुक्ति आवेदन को खारिज कर दिया। अदालत ने मलिक समेत सभी आरोपियों के खिलाफ 18 नवंबर को आरोप तय करने और उन्हें अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। मलिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने तर्क दिया था कि प्रवर्तन निदेशालय का मामला अनुमानों और अटकलों पर आधारित है और दावा किया था कि कथित अवैध कृत्य के समय कंपनी अस्तित्व में ही नहीं थी।

हालाँकि, विशेष न्यायाधीश सत्यनारायण आर. नवंदर ने माना कि प्रथम दृष्टया आगे बढ़ने के लिए सबूत मौजूद हैं। अदालत ने पाया कि नवाब मलिक ने डी-कंपनी के सदस्यों हसीना पारकर, सलीम पटेल और आरोपी सरदार खान के साथ मिलकर अवैध रूप से हड़पी गई संपत्ति को वैध बनाने में भाग लिया, जिसे अदालत ने अपराध की आय बताया। इस बीच, मलिक ने आरोप-निर्धारण प्रक्रिया पर छह हफ़्ते की मोहलत और स्थगन की माँग करते हुए कहा कि वह बॉम्बे उच्च न्यायालय में दायर एक आपराधिक रिट याचिका के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं।

उनके वकील, तारक सईद ने दलील दी कि प्रवर्तन निदेशालय ने बचाव पक्ष के पक्ष में जब्त किए गए दस्तावेजों को रोक रखा है और अभियोजन पक्ष ने मलिक के पक्ष में सबूत छुपाए हैं।

उन्होंने दलील दी कि अगर सभी जब्त किए गए दस्तावेज पेश कर दिए जाएँ, तो आरोप तय करने का कोई आधार नहीं बचेगा।

घाटकोपर में 22 से 30 नवंबर तक श्री राम कथा महोत्सव का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी घाटकोपर पूर्व विधानसभा के विधायक पराग शाह के नेतृत्व में आगामी 22 नवंबर से 30 नवंबर तक सुप्रसिद्ध कथाकार मोरारी बापू की मधुर वाणी से श्री राम कथा का श्रवण कराया जाएगा। घाटकोपर के पंतनगर परिसर में चित्रकूट धाम स्थित आचार्य अत्रे मैदान में इस आध्यात्मिक महोत्सव का आयोजन किया गया है और विधायक पराग शाह के कुशल मार्गदर्शन में उनके कार्यकर्ता दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

बिहार में प्रचंड जीत पर उल्हासनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं का भव्य जल्लोष

चेतन निर्मल संवाददाता

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की ऐतिहासिक जीत पर उल्हासनगर भाजपा जिला कार्यालय में जोरदार जल्लोष मनाया गया।

परिणाम घोषित होते ही कार्यालय परिसर में उत्साह का माहौल बन गया। आमदार कुमार आयलानी तथा जिलाध्यक्ष राजेश वधर्या के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकत्र हुए और विजय की खुशी में पटाखे फोड़े, एक-दूसरे को मिठाई खिलाई तथा बैंड-बाजे की धुन पर जमकर नृत्य किया। नेतृत्व के दृढ़ संकल्प, रणनीति और जनता के अपार विश्वास से मिली इस भारी बहुमत की जीत पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने भाजपा के राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय नेतृत्व की सराहना करते हुए इसे विकास और सुशासन की जीत बताया।

कुष्ठरोग निर्मूलन के लिए पालघर जिला प्रशासन का संकल्प

17 नवंबर से 2 दिसंबर तक विशेष खोज अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले को वर्ष 2027 तक ह्यकुष्ठरोग का शून्य प्रसार क्षेत्र घोषित करने के उद्देश्य से पालघर जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर विशेष खोज अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह अभियान 17 नवंबर से 2 दिसंबर 2025 तक जिलेभर में आयोजित की जायेगी। अभियान की तैयारी एवं रणनीति पर चर्चा करने के लिए कुष्ठरोग खोज अभियान समन्वय समिति की बैठक जिलाधिकारी कार्यालय में संपन्न हुई।

इस बैठक में सहायक संचालक, स्वास्थ्य सेवा (कुष्ठरोग) डॉ. संदीप निंबालकर ने जिले में चालू राष्ट्रीय कुष्ठरोग उन्मूलन कार्यक्रम का विस्तार पूर्वक जानकारी प्रस्तुत किया। उन्होंने आगामी खोज अभियान की कार्यपद्धति, मैदानी चुनौतियाँ और आवश्यक नियोजन समिति के समक्ष रखी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी ने कहा कि ह्यकुष्ठरोगियों का प्रारंभिक निदान और समय पर उपचार ही संक्रमण रोकने का सबसे प्रभावी मार्ग है। प्रशासन के साथ-साथ नागरिकों का सहयोग भी अत्यंत आवश्यक है। व्यापक जनजागृति और सामूहिक प्रयासों से 2027 तक शून्य प्रसार का लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल किया जा सकता है। बैठक में सहायक संचालक (मलेरिया झ्र ठाणे विभाग) डॉ. सोनवणे, जिला शल्यचिकित्सक डॉ. रामदास मरड, अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सालुंखे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अभियान निम्नलिखित तरीके से चलाया जायेगा। ग्रामीण क्षेत्रों की 100% आबादी की प्रत्यक्ष जांच की जायेगी।शहरी क्षेत्रों में 30% जोखिमग्रस्त नागरिकों का सर्वेक्षण किया जायेगा। आशा सेविका, स्वास्थ्य कर्मचारी और स्वयंसेवक घरझ्रघर जाकर लोगों की जांच करेंगे। लक्षण दिखाई देने पर संभावित रोगियों का तुरंत पंजीकरण, निदान और उपचार शुरू किया जायेगा।

जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने लोगों को आह्वान करते हुए कहा कि अभियान के दौरान स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर संभावित रोगियों की पहचान करेंगी। किसी भी नागरिक में कुष्ठरोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल जांच और उपचार उपलब्ध कराया जायेगा। नागरिकों को बिना किसी भय व संकोच के जांच में सहयोग करना चाहिए।

वारकरी साहित्य परिषद का 14वां वर्धापन दिवस भक्ति और उत्साह के वातावरण में संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले बोईसर शहर अंतर्गत दत्तवाडी, बोईसर स्थित श्रीदत्त मंदिर परिसर में 11 नवंबर 2025 को वारकरी साहित्य परिषद का 14वां वर्धापन दिवस भव्य व भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। जिलेभर से आये वारकरी भक्तों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष उत्साहपूर्ण बना दिया।

कार्यक्रम में प्रमुख मार्गदर्शक हरिभक्त परायण विनोद महाराज, हरिभक्त परायण हेमंत महाराज, हरिभक्त परायण सुनील महाराज सोनवणे और हरिभक्त परायण शितल ताई शिंदे ने वारकरी परंपरा, भक्ति आंदोलन और संत साहित्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उनके प्रेरणादायी विचारों से उपस्थित भक्तगण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हुए। कार्यक्रम का सुचारू संचालन हरिभक्त परायण मोहन महाराज सिनलकर व हरिभक्त परायण लक्ष्मण महाराज सुतार ने किया। उनके कुशल नियोजन के कारण समापन तक कार्यक्रम अनुशासनबद्ध और प्रभावी ढंग से सम्पन्न हुआ। भजन, कीर्तन, नामस्मरण व दत्तभक्ति के स्वर से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। भक्तों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ सहभागिता की, जिससे कार्यक्रम और भी मंगलमय बन गया।अंत में आयोजकों ने सभी भक्तों का धन्यवाद करते हुए आगामी वर्ष भी इसी भक्ति और उत्साह के साथ वर्धापन दिवस मनाने का संकल्प लिया।

क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, पिस्टल और तलवार बरामद

चुनाव में गड़बड़ी करना या कुछ और पुलिस की जांच सुरु

कल्याण। कल्याण क्राइम ब्रांच यूनिट-3 ने डोंबिवली के एक फ्लैट पर छापा मारकर देसी पिस्टल, खंजर, धारदार चाकू और तलवार जैसे अवैध हथियार बरामद किया है। क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियारों के साथ 36 वर्षीय रोशन झा नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद मानपाड़ा थाने में रोशन झा पर केस दर्ज हो गया है, और क्राइम ब्रांच की टीम मामले की आगे की जांच में जुट गई है। वहीं निकाय चुनाव से पहले शहर में इन हथियारों के मिलने से खलबली मच गई है। जानकारी के मुताबिक डोंबिवली पूर्व के देसले पाड़ा स्थित गोकुलधाम टावर के एक फ्लैट में अवैध हथियारों का जखीरा छुपा होने की गुप्त सूचना कल्याण अपराध शाखा को मिली थी। सूचना के आधार पर अपराध शाखा की टीम ने उस फ्लैट पर छापा मारा। छापेमारी में 4 देसी पिस्टल, जिंदा कारतूस , एक खंजर, दो धारदार चाकू और तलवार जैसे हथियार जब्त किया। पुलिस के मुताबिक कुल 2 लाख 12 हजार 500 रुपये के अवैध हथियार बरामद किए गए है। इस पूरे मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है। दिल्ली में विष्फोट के बाद मुंबई पुलिस भी अलर्ट पर है । याद रहे कि कुछ ही दिनों में महानगर पालिका के चुनाव होने है। ऐसे में डोंबिवली के एक फ्लैट में हथियार पाए जाने से सनसनी मच गई है।

इतने हथियार लाने के पीछे आरोपी का क्या मकसद हो सकता है यह तो पुलिस खुलासे से समझा जा सकता है।

आइटेल ने A90 लिमिटेड एडिशन स्मार्टफोन लॉन्च किया

मुंबई। भारत के अग्रणी टेक्नोलॉजी ब्रांड आइटेल ने अपने लोकप्रिय A90 लिमिटेड एडिशन का नया 128GB स्टोरेज वेरिएंट लॉन्च किया है। टिकाऊ, भरोसेमंद और किफायती प्रोडक्ट्स के लिए पहचाना जाने वाला आइटेल इस नए मॉडल को स्टाइल, परफॉर्मेंस और मजबूती के बेहतरीन संयोजन के साथ पेश कर रहा है। यह स्मार्टफोन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए पावर और प्राइस का आदर्श संतुलन प्रस्तुत करता है।आइटेल A90 लिमिटेड एडिशन को कंपनी के 3P प्रॉमिस के साथ विकसित किया गया है – धूल, पानी और गिरने से सुरक्षा। डिवाइस IP54 रेटिंग के साथ आता है, जिससे यह बारिश, धूल और हल्के स्पिलेज से सुरक्षित रहता है। सिर्फ 7,299 रुपये की आकर्षक कीमत में उपलब्ध यह स्मार्टफोन अब देशभर के रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध है।

जिला परिषद पालघर में उत्साहपूर्वक मनी पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में शुक्रवार 14 नवंबर 2025 को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती बड़े ही श्रद्धा, सम्मान व उत्साह के साथ मनाई गई। आयोजन की शुरूआत अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे तथा प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते द्वारा नेहरू जी की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देने से हुई। ज्ञात हो कि पंडित नेहरू ने स्वतंत्र भारत की नींव मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वैज्ञानिक सोच, औद्योगिक प्रगति, आधुनिक शिक्षा प्रणाली, लोकतांत्रिक मूल्य और बहुसांस्कृतिक भारत के निर्माण हेतु उनका योगदान आज भी उत्कृष्ट मिसाल बना हुआ है। बच्चों से उनके विशेष स्नेह के कारण ही देशभर में उनका जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। विविधता में एकता और आधुनिक, प्रगतिशील भारत का जो स्वप्न उन्होंने देखा, वह आज भी राष्ट्र की प्रेरणा बना हुआ है। इस कार्यक्रम के दौरान उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा.) इजाज अहमद शरीक मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पं.) अशोक पाटील, जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी समेत जिला परिषद के अन्य अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ठाणे में बाल सुरक्षा सप्ताह 2025 की शुरूआत

ठाणे। अर्पण वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त एक गैर-लाभकारी संस्था है, जो बाल लैंगिक शोषण को जड़ से खतम करने के लिए लगातार काम कर रही है। अर्पण ने ठाणे नगर निगम और ठाणे नगर परिवहन के सहयोग से आयोजित एक उद्घाटन समारोह में अपने जनजागरूकता अभियान बाल सुरक्षा सप्ताह के 7वें संस्करण की शुरूआत की। इस अभियान को व्यापक स्तर पर पहुँचाने के लिए ठाणे में चलने वाली अपनी 385 बसों पर अभियान के संदेश प्रदर्शित करके सहयोग दिया है। इस वर्ष, अर्पण का अभियान एक साहसिक और अडिग विषय पर केंद्रित है : #POCSOPakadLega यह हर अपराधी को एक सख़्त संदेश और एक चेतावनी देता है। यह POCSO अधिनियम (लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम) को लोगों की नजर में स्पष्ट रूप से लाता है, और बताता है कि इसके परिणाम निश्चित हैं और उन्हें जवाबदेह भी बनना पड़ेगा। अर्पण की गुडविल एंबेसडर और भारत की सबसे प्रशंसित अभिनेत्री विद्या बालन भी, उरह 2025 के चेहरे और आवाज के रूप में अपना समर्थन दे रही हैं। श्वेता कवात्रा, मानव गोहिल और अनूप सोनी जैसे प्रसिद्ध कलाकारों ने भी इस अभियान का समर्थन किया है।

इस उद्घाटन कार्यक्रम में सांसद नरेश म्हस्के, श्री. सौरभ राव (आईएएस) (आयुक्त, ठाणे नगर निगम), अर्पण की संस्थापक और सीईओ, सुश्री. पूजा तापड़िया, और अर्पण की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (प्रोग्राम्स) सुश्री. नेहल पारेख सहित ठाणे प्रशासन और अर्पण के अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। सांसद नरेश म्हस्के और श्री. सौरभ राव ने विद्या बालन अभिनीत अर्पण की अभियान फिल्म का अनावरण किया, जिसमें अपराधियों को चेतावनी दी गई है: अगर आप किसी बच्चे का लैंगिक शोषण करेंगे, तो POCSO पकड़ लेगा। इसके बाद माननीय मंत्री, प्रताप सरनाईक, श्री सौरभ राव, सुश्री पूजा तापड़िया और सुश्री नेहल पारेख ने स्कूली बच्चों के साथ मिलकर अभियान की एक बस का उद्घाटन किया।

TMT की 385 बसें अब पूरे ठाणे में चल रही हैं और प्रमुख मार्गों तथा अधिक ट्रैफि क वाले क्षेत्रों में संचालित होंगी। इन मार्गों पर रोजाना यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों तक यह बसें बाल सुरक्षा का संदेश पहुँचाएँगी और उन्हें POCSO कानून के महत्व के बारे में जागरूक करेंगी। इन बसों के जनजागरूकता अभियान के माध्यम से बच्चों का लैंगिक शोषण करने वाले व्यक्तियों को यह सख़्त चेतावनी दी जाएगी कि वे बच्चों से दूर रहें और किसी भी तरह का अनुचित व्यवहार न करें।

इस कार्यक्रम में सांसद नरेश म्हस्के ने भी सहभागिता दर्ज की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि बाल दिवस के अवसर पर हम सभी को POCSO कानून के बारे में जागरूकता बढ़ानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि POCSO कानून में मौजूद कमियों को दूर करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि इस कानून का दुरुपयोग न हो।

उन्होंने कहा कि यदि हम शिक्षकों और माता-पिता को सक्षम बना सकें, तो वे बाल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही, उन्होंने बाल सुरक्षा के क्षेत्र में निष्पक्ष रूप से काम करने वाली अर्पण संस्था की सराहना की।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

चाचा व भाइयों समेत सपा नगर अध्यक्ष के खिलाफ केस दर्ज

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी के जनपद सुल्तानपुर शहर में मां के साथ घर लौट रही युवती पर सरेराह शराब की खाली बोतल फेंकने और टोकने पर अभद्रता व अश्लीलता का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर सुल्तानपुर कोतवाली पुलिस ने सपा नगर अध्यक्ष समेत उनके चाचा और भाइयों पर एफआईआर दर्ज कर ली है। घटनाक्रम के अनुसार, सुल्तानपुर जिला मुख्यालय स्थित पुराना गुरुद्वारा परिसर लखनऊनाका को अवैध ढंग से बेच लेने का विवाद इन दिनों सुर्खियों में है। संबंधित गुरुद्वारा के अनुयायियों व यहां के बाशिंदों और आरोपी जमीन कारोबारियों के मध्य आए दिन विवाद हो रहा है। इसी क्रम में ताजा मामला गत दस नवंबर को सामने आया। एक युवती अपनी मां के साथ शाम को घर जा रही थी। आरोप है कि लखनऊ नाका स्थित एक पान की गुमटी के पास सपा नगर अध्यक्ष राजू चौधरी, उनके चाचा संतोष चौधरी व उनके भाई लोग आदि शराब पी रहे थे। इसी दौरान सपा नगर अध्यक्ष के चाचा संतोष ने युवती पर शराब की खाली बोतल उछाल दी। जो कि उसकी पीठ पर जा लगी। मां-बेटी ने इसका विरोध किया तो सभी ने उनसे अश्लीलता व अभद्रता की। प्रकरण ने तूल पकड़ लिया। युवती की कॉल पर पुलिस आ गई, इसपर आरोपी भाग निकले। वारदात को संज्ञान लेते हुए नगर पुलिस ने पांच लोगों को नामजद करते हुए संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है।

भारत बन गया है दुनिया का डायबिटिक कैपिटल: डॉ.रविशंकर

विश्व मधुमेह दिवस पर पीयू में निःशुल्क स्वास्थ्य कैंप का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य कैंप एवं डायबिटीज जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। निःशुल्क कैंप शिविर में विशिष्ट व्याख्यान में डॉ. रविशंकर सिंह ने कहा कि भारत आज दुनिया का डायबिटीज कैपिटल बनता जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि हम उपचार को महत्व देते हैं, लेकिन बीमारी की स्क्रीनिंग पर ध्यान नहीं देते। आमतौर पर लोग तब डॉक्टर के पास जाते हैं जब बीमारी बढ़ जाती है, जबकि सच्चाई यह है कि समय रहते की गई जांच कई गंभीर परिस्थितियों को रोक सकती है। शुगर की स्क्रीनिंग टेस्ट सबसे सरल और प्रभावी तरीकों में से एक है, लेकिन देश में इसके प्रति जागरूकता अभी भी बहुत कम है। इसी जागरूकता को बढ़ाने के लिए ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन बेहद आवश्यक है। इस कैंप का उद्देश्य भी यही है—लोगों को यह पता चल सके कि उनमें शुगर है या नहीं, ताकि समय पर इलाज शुरू किया जा सके। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि हमें अपने

स्वास्थ्य के प्रति सदा सचेत रहना चाहिए। अनियमित दिनचर्या और खान पान में नियंत्रण करना बहुत आवश्यक है। चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर प्रमोद यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के सहयोगी श्री पैथोलॉजी एंड डायग्नोस्टिक सेंटर के मैनेजर प्रांजल सिंह ने बताया कि शिविर का उद्देश्य लोगों में मधुमेह के प्रति जागरूकता बढ़ाना और प्रारंभिक जांच के माध्यम से रोग की रोकथाम करना है। शिविर का संचालन और डॉ. पुनीत सिंह द्वारा किया गया। इस कैंप में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, विश्वविद्यालय कर्मियों और स्थानीय नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर लाभ उठाया। इस अवसर पर डॉक्टर दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ.सुनील कुमार, डॉ.श्याम कन्हैया, डॉ.जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ.अनू त्यागी, डॉ.शशिकांत, जय सिंह आदि शिक्षक उपस्थित थे।

बाल दिवस पर महादेवी स्कूल में चाचा नेहरू को किया गया याद, बच्चों ने दी जीवंत प्रस्तुति

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। महादेवी हायर सेकेंडरी स्कूल में बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षिकाओं द्वारा मां सरस्वती के श्लोक और 'इतनी शक्ति हमें देना दाता' जैसे भक्ति गीतों से हुई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। प्रबंधक डीपी मौर्य, प्रधानाचार्य रामनयन मौर्य, उप प्रधानाचार्य एस.एन. यादव और को-ऑर्डिनेटर आनंद मौर्य ने पंडित जवाहर लाल नेहरू की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शिक्षक प्रत्यूष शंकर मिश्रा ने चाचा नेहरू के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद नन्हे बच्चों ने नेहरू की वेशभूषा में प्रस्तुति देकर उनकी याद को जीवंत कर दिया। शिक्षिकाओं ने दहेज प्रथा पर हास्य नाटिका पेश कर दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर दिया। स्कूल प्रबंधक डीपी मौर्य ने कहा, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री चाचा नेहरू के जन्मदिन पर मैं उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी हैं, जो पूरी दुनिया को टिकाए रखते हैं। पहले नेक इंसान बनें और चरित्र को सुंदर बनाएं।

उन्होंने बच्चों से बड़ों के नेक रास्ते पर चलकर जीवन सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की सफलता में को-ऑर्डिनेटर आनंद मौर्य, दिनेश यादव, रामचरण मौर्य, दीपिका सिंह, मीनाक्षी अस्थाना, धीरेंद्र मोहन, किशन यादव, शरद गुप्ता, प्रेमा यादव, आदित्य मिश्रा, राजीव राजभर, निहारिका गुप्ता, अनीता मौर्या, प्रीति गुप्ता, संध्या यादव, जूही राय, सुषमा पांडेय, शालिनी सिंह, वैशाली सिंह, पद्मजा पाल, प्रिया श्रीवास्तव, पूजा राय, अंजली सिंह, संजू मैम, पूजा यादव सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

जबरन जमीन कब्जा मामले में डीएम एवं पुलिस अधीक्षक से सुरक्षा की गुहार

मिर्जापुर (उत्तरशक्ति)। राजेन्द्रनगर, डोमरौली की निवासी नसरीन पत्नी वसीम अंसारी ने आरोप लगाया है कि उनकी पैतृक भूमि पर उनके बड़े पिता और भाभी द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है। प्रार्थिनी का कहना है कि उक्त व्यक्तियों ने भूमि को अवैध रूप से अन्य लोगों को बेच दिया और जब उन्होंने आपत्ति जताई, तो जान से मारने की धमकी दी गई। प्रार्थिनी ने जिलाधिकारी और पुलिसअधीक्षक मिर्जापुर को शिकायत दी थी। इसके बाद 11 नवंबर 2025 को जिलाधिकारी एवं एस.डी.एम. मिर्जापुर ने आदेश जारी किया कि प्रकरण की जांच की जाए और प्रार्थिनी की भूमि पर जबरन कब्जा न किया जाए। हालांकि, प्रार्थिनी का कहना है कि आदेश के बावजूद भूमि पर अवैध निर्माण और कब्जा जारी है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर से मांग की है कि उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाए।

कलेक्ट्रेट परिसर में रजिस्ट्री ऑफिस में मारपीट, एक घायल

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला मुख्यालय स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब करोड़ों की जमीन को लेकर दो पक्षों में तीखा विवाद और मारपीट हो गई। मामला सरायख्वाजा थाना क्षेत्र

के पकड़ी गांव की जमीन से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, रेनूका यादव, जो अपने पिता की इकलौती पुत्री हैं, ने आरोप लगाया कि उनके चचेरे भाई रामफेर यादव पुत्र चनीका यादव ने उनके पिता को दवा दिलाने के बहाने रजिस्ट्री कार्यालय लाकर जमीन अपने नाम कराने की कोशिश की। इसी दौरान रेनूका यादव को जब इस बात की जानकारी मिली तो वह अपने पति के साथ मौके पर पहुंच गई और रजिस्ट्री का विरोध करने लगीं। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में गाली-गलौज और हाथापाई शुरू हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया, लेकिन इससे पहले ही रामफेर यादव को कुछ लोगों ने बुरी तरह पीट दिया। घटना के बाद कार्यालय परिसर में हड़कंप मच गया और कामकाज कुछ समय के लिए ठप हो गया।

वाराणसी में चला सघन वाहन चेकिंग अभियान

◆ **डीसीपी व एसीपी ने खुद संभाली कमान**

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में नजर आया। डीसीपी प्रमोद कुमार और एसीपी सारनाथ के नेतृत्व में आज वाराणसी में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्वयं मौके पर पहुंचकर चेकिंग की निगरानी की। अभियान के तहत पंचक्रोशी चौराहे सहित आसपास के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की गहन जांच की गई। थाना सारनाथ प्रभारी ने मय टीम के साथ अभियान में भाग लेते हुए हर संदिग्ध वाहन और व्यक्ति की तलाशी ली। पुलिस ने दोपहिया और चारपहिया

वाहनों के कागजात, नंबर प्लेट, हेलमेट और सीट बेल्ट की भी जांच की। डीसीपी प्रमोद कुमार ने बताया कि यह अभियान अपराध नियंत्रण और यातायात अनुशासन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना कागजात और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता से लोगों में सुरक्षा का संदेश गया। वहीं कई वाहन चालकों ने पुलिस के इस कदम की सराहना भी की।

आजमगढ़ में माफिया ध्रुव सिंह की पत्नी सहित तीन को पुलिस ने लिया हिरासत में

◆ **कोतवाली में पीएसी सहित भारी पुलिस फोर्स तैनात**

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए प्रदेश स्तर के चिन्हित माफिया और गैंग लीडर ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह समेत चार लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत यह कार्रवाई हुई। गिरोह श्रीकृष्ण पाठशाला (इंटर कॉलेज) की

मैनेजिंग कमेटी पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए कब्जा जमाने की साजिश रच रहा था।

प्रभारी निरीक्षक यादवेन्द्र पांडेय की तहरीर पर कोतवाली थाने में कुंटू सिंह, उनकी पत्नी बंदना सिंह, सुनील कुमार सिंह और नरेन्द्र कुमार सिंह के खिलाफ मामला पंजीकृत किया गया। पुलिस ने बंदना सिंह समेत तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया। सुरक्षा के मद्देनजर कोतवाली क्षेत्र में पीएसी की तैनाती की गई है।

गिरोह पर आर्थिक लाभ के लिए फर्जी कागजात तैयार करना, विरोधियों को झूठे मुकदमों में फंसाना, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने जैसे आरोप हैं। पहले भी इस गिरोह के खिलाफ कई मामले दर्ज हो चुके हैं, जिनकी विवेचना पूरी कर पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है।

पीयू में 'एडवांस्ड मटेरियल कैरेक्टराइजेशन टेक्नीक्स' पर हुआ वर्कशाप

एक दिवसीय हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग वर्कशॉप शोध और नवाचार को मिली नई दिशा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के सेंटर फॉर रिन्यूएबल एनर्जी एवं प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एडवांस्ड मटेरियल कैरेक्टराइजेशन टेक्नीक्स विषय पर एक दिवसीय हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग वर्कशॉप का शुक्रवार को आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय को प्राप्त डीएसटी-पर्स परियोजना की एसएसआर गतिविधियों के अंतर्गत हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह द्वारा किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि ऐसी प्रशिक्षण कार्यशालाएँ शोध और नवाचार की गुणवत्ता को बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक उपकरणों के उन्नत प्रयोग को समझना और व्यावहारिक कौशल विकसित करना छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। मुख्य वक्ता प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह ने यूवी-विजिबल एवं एफटीआईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी की संरचना, कार्यप्रणाली और मटेरियल कैरेक्टराइजेशन में उनके अनुप्रयोगों पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही, प्रतिभागियों को आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों के प्रयोगात्मक महत्व से भी अवगत कराया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि मटेरियल कैरेक्टराइजेशन आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान की रीढ़ है। ऐसे कार्यक्रम छात्रों के बीच प्रयोगात्मक समझ को विकसित करते हैं और शोध संस्कृति को सशक्त बनाते हैं। अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. देवराज सिंह ने विश्वविद्यालय में शोध सुविधाओं के विस्तार और डीएसटी-पर्स परियोजना के योगदान पर प्रकाश डाला। तकनीकी सत्रों में आमंत्रित विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को उपकरणों की कार्यप्रणाली, प्रयोग प्रक्रिया और शोध के व्यावहारिक पक्षों से अवगत कराया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. धीरेंद्र कुमार चौधरी ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की और डीएसटी-पर्स परियोजना के उद्देश्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। संचालन डॉ. काजल कुमार डे ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुजीत के. चौरसिया ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. पुनीत धवन, डॉ. आलोक कुमार, डॉ. रमांशु सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. दिनेश वर्मा, प्रो. गिरधर मिश्रा, डॉ. प्रमोद कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुल 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और उन्नत मटेरियल कैरेक्टराइजेशन तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित हुए।

एक भारत, आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के तहत निकाली गयी एकता यात्रा

भारत की नींव रखने वाले भारत रत्न एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सशक्त, सुदृढ़ और समृद्ध भारत की नींव रखने वाले भारत रत्न एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव के नेतृत्व में एक भारत, आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के तहत एकता यात्रा निकाली गयी। एकता यात्रा सिद्दीकपुर स्थित राजहंस लॉन से चलकर कुत्तूपुर चौराहे होते हुए कोतवाली चौराहा, जोगियापुर, होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची।

कलेक्ट्रेट परिसर मे राज्यमंत्री, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर श्रीमती मनोरमा मौर्या, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र व अन्य जनप्रतिनिधिगण और गणमान्य लोगो के द्वारा सरदार

पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल जी ने भारतीय राजनीति में अतुलनीय भूमिका निभाई। उनकी अद्वितीय संगठन क्षमता, दूरदर्शी नेतृत्व और देश को एक सूत्र में पिरोने के संकल्प ने भारत को एक अखंड राष्ट्र के रूप में स्थापित किया।

जिलाधिकारी ने कहा की सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के 150 वीं जयंती पर गांव-गांव में एकता यात्रा निकाली जा रही है और उनके विचारों को जन जन तक पुहंचाने का कार्य किया जा रहा है। सरदार पटेल जी का योगदान केवल इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

पूर्व विधायक बाकेलाल सोनकर, पूर्व जिलाध्यक्ष हरीशचंद सिंह सहित अन्य ने सरदार पटेल जी के योगदान पर प्रकाश डाला। जनसभा का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने किया।

एकता यात्रा में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव मिश्रा, डॉ0 रामसूरत मौर्या, काली प्रसाद सिंह, सुरेन्द्र सिंघानिया अमित श्रीवास्तव, पीयूष गुप्ता, मनीष श्रीवास्तव, सुनील यादव मम्मन, राजकेसर पाल, अजय सिंह, श्यामबाबू यादव, कृष्ण कुमार जयसवाल, धर्मेन्द्र मिश्रा, धनजय सिंह, प्रशांत सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नगर पंचायत केराकत की पूर्व चेयरमैन दुर्गावती गिरी का निधन

निधन से नगर वासियों में शोक की लहर, शवयात्रा में जन समूह उमड़ा

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वर्ष 1995 में नगर पंचायत केराकत की पूर्व चेयरमैन एवं पूर्व छात्र संघ

अध्यक्ष आनन्द कन्द गिरी उर्फ राजू बाबा की धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गावती गिरी 60 वर्ष की उम्र में गुरुवार की बीती रात्रि अस्वस्थता के कारण निधन हो गया। गौरतलब हो कि स्वर्गीय दुर्गावती गिरी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूर्व विधानपरिषद सदस्य व पूर्व नगर पंचायत केराकत की अध्यक्ष स्वर्गीय रूद्दत गिरी के छोटे भाई स्वर्गीय देवदत्त गिरी की छोटी पुत्र वधू थीं। उनका अन्तिम संस्कार शुक्रवार मध्यांतर केराकत नगर के गोमती तट स्थित रामेश्वर घाट पर सम्मान पूर्वक किया गया। मुखाग्नि उनके पति पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष आनन्द कन्द गिरी (राजू बाबा) ने दी। शव यात्रा में नगर छेत्र के सम्भ्रांत नागरिकों नें शामिल होकर अश्रु पूरित नेत्रों से अपनी अन्तिम विदाई दी। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष स्वर्गीय दुर्गावती गिरी के निधन पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पत्रकार कौशलेंद्र गिरी, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्री प्रकाश पप्पू, पूर्व सभासद व वरिष्ठ भाजपा नेता पत्रकार मोहम्मद असलम खॉन, नगर पंचायत अध्यक्ष पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू, अलाबक्श खॉन राजन तहसील अध्यक्ष जिला ईंट निमार्ता समिति जौनपुर (संग) जिला जौनपुर, पूर्व चेयरमैन विजय कुमार गुप्त, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी व सपा नेता आजाद कुरैशी, सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय में एंटी रैबीज सीरम उपलब्धः सीएमओ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने विगत छह माह से जिला अस्पताल में एंटी रैबीज सीरम की अनुपलब्धता को तथ्यहीन और असत्य बताते हुए अवगत कराया है कि जिला चिकित्सालय जौनपुर के मुख्य औषधि भण्डार द्वारा दिनांक 18 सितंबर 2025 को इंडेंट गया है। जिसमें एंटी रैबीज सीरम की 20 वायल प्राप्त की गई थीं, जिसका उपयोग माह अक्टूबर 2025 में किया गया। डीवीडीएमएस पोर्टल पर तकनीकी समस्या होने के कारण ऑनलाइन इंडेंट नहीं बन पा रहा था, 13 नवंबर 2025 को 90 वायल एंटी रैबीज सीरम ड्रग वेयर हाउस से प्राप्त हुआ है।

एस.डी. पब्लिक स्कूल हुरुहुरी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस

बच्चों ने बाल मेले व विविध कार्यक्रमों से सबका मन मोहा

मो.असलम खान

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र अंतर्गत हुरुहुरी गांव में स्थित एस.डी. पब्लिक स्कूल में देश के प्रथम प्रधानमंत्री, आधुनिक भारत के निमार्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के रूप में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में बाल मेला, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, शैक्षिक गतिविधियाँ और कई मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वीरेंद्र सिंह, पूर्व प्राध्यापक, शिक्षा विभाग, गणेश राय पोस्ट ग्रैजुएट कॉलेज, डोभी (जौनपुर) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने बच्चों का

उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बालक ही देश का भविष्य होते हैं, इसलिए उनके सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ. राजेश कुमार सिंह, प्रधानाचार्य गजेंद्र यादव, एवं सभी शिक्षकगण कार्यक्रम में मौजूद रहे। सभी ने बच्चों द्वारा लगाए गए स्टॉलों, कलात्मक प्रदर्शन तथा विविध प्रतिभाओं की प्रशंसा की। बाल मेले में अभिभावकों की भी उत्साहपूर्ण उपस्थिति देखने को मिली।

प्रधानाचार्य गजेंद्र यादव ने बताया कि बाल दिवस का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सहभागिता को बढ़ावा देना है। विद्यालय सदैव बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम का समापन विजेताओं को पुरस्कृत कर तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ किया गया।

ई-रिक्शा में सोने की चेन चोरी का प्रयास नाकाम, जौनपुर पुलिस ने चार महिलाओं को दबोचा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा से यात्रा कर रही महिला की सोने की चेन उड़ाने का प्रयास कर रही चार महिलाओं को पुलिस

ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, लाइन बाजार थाना क्षेत्र के करौती नईगंज निवासी नेहा पांडे पत्नी रजनीश पांडे अपनी मां के साथ गुरुवार सुबह करीब 11 बजे ई-रिक्शा से बैंक जा रही थीं। जैसे ही रिक्शा नईगंज स्थित शुक्ला ट्रांसपोर्ट के पास पहुंचा, उसी दौरान चार संदिग्ध महिलाएं उसी वाहन में सवार हो गईं। कुछ ही देर में चारों ने असामान्य हरकतें शुरू कर दीं और भीड़-भाड़ का फायदा उठाते हुए नेहा पांडे की मां के गले से सोने की चेन काटकर उतरने लगीं। महिला को शक होते ही उसने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और चारों महिलाओं को पकड़ लिया। उसी समय गश्त पर निकली कोतवाली पुलिस भी वहां पहुंच गई और चेन बरामद करते हुए सभी महिलाओं को थाने ले आई। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान नीतू पत्नी सूरज, बिरला पत्नी सुजीत कुमार, पार्वती पत्नी कतवारु और जाह्नवी पुत्री वीरेंद्र कुमार के रूप में हुई है। सभी आरोपी जनपद गोरखपुर के बड़हलगंज थाना क्षेत्र के लखनापार की रहने वाली बताई गई हैं। महिला की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सभी आरोपितों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया।

दो छात्राओं को पिकप ने कुचला, एक की मौत दूसरी गम्भीर

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत जौनपुर मार्ग स्थित ग्राम हुरहुरी पेट्रोल पम्प के समीप सुबह लगभग 8 बजे तेज रफ्तार पिकप वाहन के जोरदार टक्कर मारनें से कोचिंग पढ़कर वापस साइकिल से घर जा रही दो बालिकाएं कुचल कर गम्भीर रूप से घायल हो गयी। जिसमें एक की मौके पर ही मौत हो गयी। जानकारी अनुसार केराकत कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चौकियां नयी बाजार निवासी उजाला पुत्री महादेव 17 वर्ष व पिंकी कुमारी पुत्री विनोद कुमार 18 वर्ष दोनों सुबह कोचिंग से वापस घर जा रही थीं। हुरहुरी पेट्रोल पम्प के समीप विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार पिकप दोनों साइकिल सवार बालिकाओं को कुचल दिया। जिससे उजाला पुत्री महादेव की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। दुसरी पिंकी कुमारी समेत उजाला को गंभीर रूप से घायल अवस्था में उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के पश्चात हाल गम्भीर देख चिकित्सकों नें जिला अस्पताल जौनपुर रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पिकप को अपने कब्जे में लेकर चालक को गिरफ्तार कर लिया।

डॉ. प्रमोद नंदगावकर को जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ के प्रशासकीय अधिकारी डॉ. प्रमोद नंदगावकर को उनके कार्यालय, सायन (पूर्व), मुंबई, में जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवक, समाजसेविका, तथा परिवर्तन संघटना, भामला फाउंडेशन, सनातन सेना फाउंडेशन, शिवसेना (शिंदे गुट) गृह संकुल महाराष्ट्र व मुंबई के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। श्रद्धा गोरगे, ज्योतिष, तथा सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी डॉ. नंदगावकर को जन्मदिन की शुभकामनाएँ अर्पित कीं। कार्यालय के पूरे स्टाफ ने भी उन्हें बधाई दी और उत्साहपूर्वक इस समारोह में भाग लिया। अतिथियों के स्वागत हेतु डॉ. नंदगावकर की ओर से अल्पाहार की व्यवस्था की गई, जिसके माध्यम से उन्होंने सभी उपस्थित मेहमानों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक द्वारा सामाजिक मुद्दों पर विशेष बैठक में चर्चा

मुंबई। USXTe हेडक्वार्टर, मुंबई में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सतीश पवार के मार्गदर्शन में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समाज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर चर्चा की गई और उनके ठोस समाधान की दिशा में सुझाव प्रस्तुत किए गए। बैठक के दौरान जनता द्वारा उठाई जा रही प्रमुख समस्याओं पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ, जिनमें नशा मुक्ति अभियान को और मजबूत बनाने, नाबालिक बच्चियों के साथ बढ़ते अपराधों पर कठोर कार्रवाई, बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा सुनिश्चित करने, तथा समाज में जागरूकता बढ़ाने जैसे विषय प्रमुख रहे। बैठक में कई सामाजिक संगठन और प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें समाजसेवक एवं समाजसेविका, परिवर्तन संघटना, भामला फाउंडेशन, सनातन सेना फाउंडेशन, शिवसेना (शिंदे गुट) गृह संकुल महाराष्ट्र व मुंबई, तथा ज्योतिष श्रद्धा गोरगे और सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) विशेष रूप से शामिल थे। इस संयुक्त बैठक का उद्देश्य सामाजिक समरसता, सुरक्षा और जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी कदम उठाना था। सभी सहभागियों ने पुलिस प्रशासन को सहयोग का आश्वासन दिया और भविष्य में ऐसे आयोजनों को जारी रखने की इच्छा व्यक्त की।

बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के ना चलाएं बाइक और कार 30 लोगों को वितरित किया गया हेलमेट

गौराबादशाहपुर ,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर पुलिस द्वारा यातायात माह नवंबर के अंतर्गत गौराबादशाहपुर पुलिस चौकी पर एक कार्यक्रम का आयोजन करके लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। इस दौरान कार्यक्रम में थाना अध्यक्ष गौराबादशाहपुर प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के गाड़ी ना चलाएं, शराब के नशे में गाड़ी बिल्कुल नहीं चलानी चाहिए, 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को चलाने के लिए बाइक या कार ना दें अन्यथा पकड़े जाने पर वाहन जब्त करने तक की कार्यवाही की जा सकती है। इस दौरान 30 पुरुष और महिला बाइक चालकों को हेलमेट भी वितरित किया गया। कार्यक्रम के पश्चात गौराबादशाहपुर पुलिस चौकी से कुकुहा मोड तक यातायात जागरूकता बाइक रैली भी निकाली गई। जिसमें महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान अधिशासी अधिकारी शशिकांत तिवारी राहुल सिंह, सत्यानंद चौबे, लल्लन सिंह कमलेश प्रधानाचार्य सागर साहू रोहित श्रीवास्तव हरिवंश सिंहसहित थाने का पूरा स्टाफ और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विवाह कोई खेल नही एक साधना है-प्रेमभूषण महाराज

लाल शेखर सिंह

कानपुर (उत्तरशक्ति)। आओ गायें रामकथा घर घर में इस आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व में राकेश मिश्र द्वारा आजाद नगर स्थित पं. दीनदयाल सनातन धर्म विद्यालय प्रांगण में 8 नवम्बर से आयोजित नौ दिवसीय रामकथा में सीताराम विवाह प्रसंग के आश्रय मे विवाह का महत्व बताते हुए प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि,परमार्थ यात्रा का नाम विवाह है यह जीवन को आनंद प्रदान करता है इसके द्वारा जीव स्वयं के साथ पितरों की मयार्दा का सम्हार और पीढ़ियों की परंपरा का निर्वहन करता है। विवाह खेल नही यह एक साधना है।

आनंद में खलल डालने वाले को कहीं आनंद नही मिलता है। जीवन में दुःख के बिना सुख का बोध नही होता।गुरु निष्ठा का दृष्टांत देते हुए प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि रघुवंश के सारे निर्णय त्रिकालयज्ञ गुरु वशिष्ठ की अनुमति से होते हैं। सत्कर्मो को करने में विलंब कभी नही करना चाहिए। सृष्टि के सारे कार्य भगवान राम की आज्ञा से ही होते है। जीवन की हर परिस्थिति को स्वीकार करने में ही हमारे जीवन की श्रेष्ठता है।राम को राज्याभिषेक की जगह वनवास मिलता है किंतु भगवान ने प्रसन्न भाव में उसे भी स्वीकार कर लिया। केवट प्रसंग पर प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि भक्त को भगवान पर विश्वास और चरणों मे निष्ठा केवट की भांति रखनी चाहिए। जीवन के सभी सत्कर्म सपरिवार उत्साह, आनंद और अनुराग पूर्वक करना चाहिए। प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि पंच महा यज्ञों में पितरों का उद्धार भी सम्मिलित है अतः अपने पितृ देवों को प्रसन्न करने से हमारे जीवन में सुख-शांति का आगमन होता है। प्रेमभूषण महाराज के कृपापात्र शिष्य पूज्य कुलदीप महाराज ने पूज्यश्री के आदेश से केवट प्रसंग पर मन मोहक भजन'धो लेने दो रघुवर चरणों को ..सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रेमभूषण महाराज ने अपने कथा प्रवाह में श्रोताओं के सैलाब को 'रीझे ला रिझावेला कवन गुनवा से, जिसको जीवन में मिला सत्संग है..आदि लोकप्रिय भजन सुनाकर भावविभोर कर दिया।

ईमामी लिमिटेड ने रणनीतिक रीब्रांडिग की घोषणा की

मुंबई। केश किंग, भारत का एक प्रमुख आयुर्वेदिक हेयरकेयर ब्रांड है। इस ब्रांड ने अपने आपको एक नया रूप देने के लिए रीब्रांडिंग की पहल करते हुए पेश किया है केश किंग गोल्ड ।इससे ब्रांड की पहचान, प्रस्तुति और पैकिजंग को एक नया और आकर्षक दर्जा मिला है। इस रीब्रांडिग के जरिये ईमामी ने अपने ब्रांड केश किंग के लिए एक अलग रणनीति को अपनाया है। अब यह केवल अपने पारंपरिक आयुर्वेदिक बुनियाद तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक दमदार नई सोच को अपनाया है: आयुर्वेद + विज्ञान उत्पाद के इस नए अवतार से ग्राहकों को बेहतरीन गुणवत्ता, प्रभावशीलता और उपयोगिता का लाभ मिलेगा और वो भी बिल्कुल नए रूप में। ब्रांड के आयुर्वेद की परंपरा को पूरी तरह से बरकरार रखते हुए इस नए उत्पाद को ग्राहकों की मांगों को ध्यान

में रखते हुए तैयार किया गया है। मौजूदा समय में ग्राहक विशुद्ध, प्रभावशाली और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित उत्पाद ही पसंद करते हैं। केश किंग गोल्ड ग्राहकों की इन सभी मांगों को पूरा करता है क्योंकि इसमें है ग्रो बायोटिन और प्लांट ओमेगा 3-6-9 जैसे प्रमुख वैज्ञानिक उपादानों के साथ 21 भरोसेमंद आयुर्वेदिक जड़ीबूटियों के तत्व। बालों की वृद्धि और बालों के झड़ने को कम करने में इन उपादानों की उपयोगिता क्लिनिकली प्रमाणित है। इस रणनीतिक बदलाव के हिस्से के रूप में केश किंग बालों से संबंधित बढ़ती समस्याओं के लिए कुछ नई कैटेगरीज में भी अपना विस्तार करने जा रहा है। इस विस्तार के जरिए समस्याओं के लिए उपयुक्त समाधान प्रदान किए जाएँगे। बालों की वृद्धि जैसी प्रमुख जरूरत को पूरा न किए जाने की बात को पहचानते हुए यह ब्रांड केश किंग गोल्ड रेंज के अधीन लेकर आया है एक नया आधुनिक उत्पाद, एडवांस्ड हेयर ग्रोथ सेरम। इस सेरम पैक में सर्वाधिक मात्रा में ग्रोथ एक्टिव्स हैं - आयुर्वेदिक जड़ीबूटियों और रेडेन्सिल, एनागेन, कोपेक्सिल एक्वा और प्रोकैपिल जैसे शक्तिशाली मॉलीक्यूल्स का अनोखा मिश्रण। इससे प्रत्यक्ष बालों की वृद्धि नजर आती है। इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए सुश्री प्रीति ए. सुरेका, एग्जीक्यूटिव डाइरेक्टर, ईमामी लिमिटेड ने कहा केश किंग की यह रीब्रांडिंग सिर्फ दिखावे के लिए किया गया कोई बदलाव नहीं है - इसमें रणनीतिक रूप से उल्लेखनीय परिवर्तन किए गए हैं। यह ब्रांड बालों की संपूर्ण देखभाल में केश किंग को गोल्ड स्टैंडर्ड के रूप में स्थापित करना चाहता है, जो कि इसकी भविष्य की योजनाओं का एक हिस्सा है। केश किंग गोल्ड में आयुर्वेद के ज्ञान और आधुनिक शोध के सटीक नतीजों को एक साथ मिलाया गया है। इस नई पहचान को विशेष रूप से उस पीढ़ी के लिए तैयार किया गया है जो कि भरोसेमंद उपादान, महत्वाकांक्षी एवं प्रगतिशील मूल्यों की उम्मीद रखते हैं और प्रत्यक्ष नतीजा देखना चाहते हैं।

रसोई की खिड़की पर पहुंचकर महिला से अश्लील हरकत शिकायत पर मनचलों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइनबाजार क्षेत्र के एक गांव में महिला से अश्लील इशारे करने और धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित महिला ने एसपी जौनपुर डॉ. कौस्तुभ को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि 31 अक्टूबर की शाम वह अपने घर के किचन में भोजन बना रही थी।

इसी दौरान गांव के ही तीन युवक किचन की खिड़की पर आ पहुंचे और अश्लील हरकतें करते हुए फब्तियां कसने लगे। महिला ने शोर मचाकर अपने पति को बुलाया, लेकिन पति को आते देख आरोपी वहां से भाग निकले। घटना के बाद दंपती ने डायल 112 पर सूचना दी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंचकर तीनों युवकों को थाने ले गई। आरोप है कि उसी शाम थाने से छूटने के बाद आरोपी फिर महिला के घर पहुंचे और उसे जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक सतीश सिंह ने बताया कि एसपी के निर्देश पर महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और मामले की आगे की कार्रवाई जारी है

गोदरेज एग्रोवेट ने 70 करोड़ के निवेश के लिए आंध्र प्रदेश राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई/विशाखापत्तनम। भारत के सबसे बड़े विविधीकृत कृषि-खाद्य व्यवसायों में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने आज आंध्र प्रदेश राज्य सरकार के साथ एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के तहत, कंपनी अपने डेयरी व्यवसाय में डेयरी प्रसंस्करण और मूल्य वर्धित उत्पाद क्षमताओं का विस्तार करने के लिए 70 करोड़ का निवेश करेगी और ताड़ के तेल किसानों के लिए वन-स्टॉप समाधान केंद्र व नए समाधान केंद्र स्थापित करेगी। इस समझौता ज्ञापन पर आंध्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, नारा चंद्रबाबू नायडू गारू, सुनील कटारिया, एमडी और सीईओ, गोदरेज एग्रोवेट और राकेश स्वामी, ग्रुप प्रेसिडेंट - कॉर्पोरेट अफेयर्स, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, नारा चंद्रबाबू नायडू गारू ने कहा, हमारे किसानों की समृद्धि के लिए कृषि-खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूत करना अनिवार्य है। इसी के अनुरूप, हमें एक मजबूत और विश्वसनीय भागीदार, गोदरेज एग्रोवेट के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। मुझे विश्वास है कि यह साझेदारी न केवल हमारे कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में मदद करेगी बल्कि आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए बड़े पैमाने पर समुदाय के लिए स्थायी आजीविका भी पैदा करेगी।

सुनील कटारिया, सीईओ और एमडी, गोदरेज एग्रोवेट, ने कहा, हम एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के आभारी हैं जो व्यवसायों का समर्थन करता है और समुदायों का उत्थान करता है। उन्होंने आगे कहा,आज का समझौता ज्ञापन किसानों को सशक्त बनाना जारी रखते हुए हमारी कृषि-खाद्य प्रसंस्करण क्षमताओं को मजबूत करने के हमारे इरादे का एक प्रमाण है। खाद्य प्रसंस्करण में नवाचार की एक मजबूत विरासत के साथ, हमारा मिशन भारत के पोषण परिदृश्य को आगे बढ़ाना और कृषि-अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान करना है। राकेश स्वामी, ग्रुप प्रेसिडेंट - कॉर्पोरेट अफेयर्स, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप, ने कहा,आंध्र प्रदेश गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के लिए एक प्रमुख राज्य रहा है, जिसने क्षेत्रों में हमारे विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना राज्य की व्यवसाय करने की गति और साझेदारी उन्मुख दृष्टिकोण को दशार्ता है, खासकर इसकी सुव्यवस्थित अनुमोदन प्रक्रिया और निवेशक-अनुकूल नीतियों के माध्यम से। हम आंध्र प्रदेश की विकास गाथा में योगदान करने के लिए तत्पर हैं और उपभोक्ता, रियल एस्टेट और वित्त व्यवसाय में भी अपने समूह के पदचिह्न का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रुई के गोदाम में लगी भीषण आग

कानपुर (उत्तरशक्ति)। कानपुर में नवाबगंज थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में स्थित एक रुई के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना सुबह 10:21 बजे मिनी कंट्रोल को मिली, जिस पर दमकल विभाग ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी।

सीएफओ के निर्देशन में, कर्नलगंज फायर स्टेशन से दमकल की दो यूनिट और एफएसएसओ कर्नलगंज की टीम मौके के लिए रवाना हुई। रुई जैसे अत्यंत ज्वलनशील पदार्थ के गोदाम में आग लगने के बावजूद दमकलकर्मियों की तत्परता के कारण आग को अति अल्प समय में ही पूर्ण रूप से बुझा दिया गया। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई।

काई इंडिया के ग्रूमिंग रेंज के साथ वेडिंग सीजन में घर बैठे पाएं स्मूद और ग्लोइंग स्किन

मुंबई। शादियों के मौसम की तैयारियों के बीच अब खुद को ग्रूम्ड रखना आसान हो गया है, और पार्लर अपॉइंटमेंट्स का स्ट्रेस लेने की भी जरूरत नहीं है। क्योंकि काई इंडिया लेकर आया है अपनी जापानी क्राफ्ट्समैनशिप से बनी काई इंडिया ब्यूटी-बॉक्स और काई कैन प्रीमियम ब्यूटी ट्रेवल किट, जो घर बैठे ही आसान, सेफ और स्मूद ग्रूमिंग का अनुभव देती हैं। कुछ ही मिनटों में पाएं सॉफ्ट, ग्लोइंग और फ्रेश लुक – बिना किसी अतिरिक्त मेहनत या स्ट्रेस के। काई इंडिया ब्यूटी-बॉक्स में फेस, बॉडी और बिकिनी एरिया के लिए अलग-अलग रेजर शामिल हैं। इसमें प्रोटेक्टिव स्किन गार्ड्स लगे हैं, जो शेविंग को कोमल और सुरक्षित बनाते हैं। यह किट हल्की, कॉम्पैक्ट और सेंसिटिव स्किन के लिए उपयुक्त है। इसकी कीमत 315 है

और यह हर मौके पर इस्तेमाल के लिए एक भरोसेमंद विकल्प है। वहीं, काई कैन प्रीमियम ब्यूटी ट्रेवल किट में तीन रेजर हैं – फेस रेजर, आइब्रो रेजर और बॉडी रेजर। इसके ब्लेड्स शार्प और सेफ हैं, जो बिना इरिटेशन या कट के क्लीन और स्मूद शेविंग एक्सपीरियंस देते हैं। यह किट री-यूजेबल और ट्रैवल-फ्रेंडली है, जो हर वेडिंग या ट्रिप के दौरान साथ रखना एक स्मार्ट और जरूरी विकल्प बनाती है। काई इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री केइजिरो ताकासागो ने कहा, भारत में शादियां जज्बात, खुशियों और खूबसूरत पलों से भरी होती हैं। हर कोई इन मौकों पर अपना बेस्ट दिखना और महसूस करना चाहता है। काई इंडिया ब्यूटी-बॉक्स और काई कैन प्रीमियम ब्यूटी ट्रेवल किट के जरिए हमारा उद्देश्य रोजमर्रा की ग्रूमिंग को आसान और सुविधाजनक बनाना है, साथ ही उस सटीकता और सेफ्टी को बनाए रखना है जो काई की पहचान है। हर प्रोडक्ट को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वह यूजर्स को कम्फर्ट, कंट्रोल और कॉन्फिडेंस का अनुभव दे। काई ग्रुप, जिसकी शुरूआत 1908 में जापान के सेकी शहर से हुई थी, आज जापान में ब्यूटी और ग्रूमिंग टूल्स का एक प्रतिष्ठित नाम है। इसकी पहचान क्वालिटी, परफॉर्मेंस और जापानी क्राफ्ट्समैनशिप के लिए की जाती है।काई इंडिया ने राजस्थान के नीमराना में 30,000 वर्गमीटर में फैली अपनी अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के साथ भारतीय मार्केट में कदम रखा।

यह जीत विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है: गिरीश चन्द्र यादव

बिहार की जीत जंगलराज पर सुशासन की जीत है : पुष्पराज सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय सिहिपुर में बिहार की जीत पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और पटाखा फोड़कर जश्न मनाया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि यह जीत विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है जंगलराज और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले किसी भी भेष में आएँ, उन्हें लूटने का मौका नहीं मिलेगा जनता अब सिर्फ और सिर्फ पालिटिक्स परफॉर्मेंस के आधार पर जनादेश देती है। मै नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार और एनडीए के सभी नेताओं और कार्यकताओं को बधाई देता हूँ। साथ ही अथक परिश्रम से इस परिणाम को चरितार्थ करने वाले बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक के बिहार के सभी कार्यकताओं का अभिवादन करता हूँ और जिस आशा और विश्वास के साथ आपने एनडीए को यह जनादेश दिया है, मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार उससे अधिक समर्पण से उसे पूरा करेगी।

जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि बिहारवासियों का एक-एक वोट भारत की सुरक्षा और संसाधनों से खेलने वाले घुसपैठियों और उनके हितैषियों के खिलाफ मोदी सरकार की नीति में विश्वास का प्रतीक है वोटबैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है। बिहार की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया है कि मतदाता सूची शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति की कोई जगह नहीं है इसीलिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस आज बिहार में आखिरी पायदान पर आ गई है। एनडीए ने राज्य का चौतरफा विकास किया है लोगों ने हमारे ट्रैक रिकॉर्ड और राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे विजन को देखकर हमें भारी बहुमत दिया है मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए परिवार के हमारे सहयोगी चिराग पासवान जी, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को इस जबरदस्त जीत के लिए हार्दिक बधाई देता हूं 'उक्त अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव मिश्र ,बांकेलाल सोनकर जिला महामंत्री ,सुशील मिश्र ,पीयूष गुप्ता ,अमित श्रीवास्तव ,सुनील तिवारी ,रामसूरत मौर्य, राम सिंह मौर्य ,आमोद सिंह ,सुशांत चौबे ,दिव्यांशु सिंह, मेराज हैदर ,जसविंदर सिंह ,सीमा तिवारी आदि उपस्थित रहे।

PhonePe ने बड़े स्तर पर भारतीय यूजर्स तक ChatGPT पहुँचाने के लिए OpenAI के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की

मुंबई। आज PhonePe ने, ग्लोबल एआई कंपनी OpenAI के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य, भारत में यूजर्स द्वारा ChatGPT को बड़े पैमाने पर अपनाने में तेजी लाना और पारस्परिक व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देना है। इस साझेदारी से PhonePe यूजर्स,PhonePe के प्लेटफॉर्म पर ChatGPT के फीचर्स को एक्सप्लोर कर सकेंगें, जिससे अधिक भारतीयों को एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की क्षमता के बारे में जानने में मदद मिलेगी। यह साझेदारी, ट्रैवल प्लानिंग से लेकर शॉपिंग तक – यूजर्स के रोजमर्रा के काम में बेहतर और संबंधित जानकारी देकर, PhonePe पर उनके अनुभव को कई गुना बेहतर बना सकती है। इस साझेदारी से, PhonePe के कंज्यूमर और बिजनेस ऐप, दोनों पर ChatGPT उपलब्ध होगा, साथ ही इसमें Indus ऐपस्टोर को मिलाकर पूरे PhonePe इकोसिस्टम की कार्यात्मक क्षमता का भी उपयोग किया जाएगा।

जैसे-जैसे देश में जनरेटिव एआई का उपयोग बढ़ेगा, यह साझेदारी यूजर्स के लिए संभावित उपयोग के नए रास्ते खोलने में मदद करेगी। इस लॉन्च पर बोलते हुए,PhonePe के फाउंडर, फुल-टाइम डायरेक्टर और चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, राहुल चारी जी, ने कहा, "PhonePe में, हमने जनसांख्यिकी स्तर पर डिजिटल सेवाओं के लिए बुनियादी ढाँचा तैयार करने में वर्षों लगाए हैं।

यह रणनीतिक साझेदारी दशार्ती है कि जब इस क्षेत्र की इनोवेटिव कंपनियाँ साथ आती हैं, तो अत्याधुनिक तकनीक को एक विशाल आबादी तक पहुँचाना आसान हो जाता है। OpenAI के साथ यह पार्टनरशिप, हमारी इस यात्रा की रोमांचक शुरूआत है, जिसके लिए हम पूरी तरह से तैयार और उत्साहित हैं। OpenAI के हेड ऑफ इंटरनेशनल ओलिवर जे, जी ने कहा कि, "PhonePe के साथ हमारी साझेदारी, पूरे भारत में लोगों के लिए, एआई को आसानी से उपलब्ध कराने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

भारत इनोवेशन का एक वैश्विक केंद्र है, और देश की संस्कृति और उसके यूजर बेस की गहरी समझ, PhonePe को एक आदर्श पार्टनर बनाती है। यह साझेदारी, पूरे भारत को दिखाएगी कि कंज्यूमर एआई कितना महत्वपूर्ण है, जिससे लाखों लोगों के दैनिक जीवन दैनिक जीवन को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत पर काशी में उमड़ा उत्सव, ढोल - नगाड़ों संग मना विजय जश्न

* गुलाबबाग स्थित भाजपा कार्यालय पर आतिशबाजी, मिठाई व विजय घोष की गूंज
*नेताओं ने कहा, जनादेश ने विकास, सुशासन और मोदी - नीतीश नेतृत्व पर लगाई मोहर

-सुरेश गांधी

वाराणसी। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत का संदेश जैसे ही काशी पहुंचा, पूरा शहर मानो उत्सव की उजास में नहा उठा। गुलाबबाग स्थित भाजपा कार्यालय का माहौल किसी बड़े पर्व से कम नहीं था। ढोल - नगाड़ों की थाप पर कार्यकर्ता उत्साह में झूम उठे, आसमान रंगीन आतिशबाजी से जगमगाया और कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर विजय के इस क्षण को यादगार बना दिया। पूरे परिसर में जीत की खुशी हल्कों की तरह फूटी, स्लोगनों, संगीत, मिठाइयों और गले मिलकर बधाई देने के सिलसिले ने लोकतांत्रिक उत्सव को जीवंत कर दिया। जवाहर नगर (भेलुपुर) स्थित प्रधानमंत्री संसदीय कार्यालय तक भी पहुंची। यहां कार्यकताओं ने जोरदार आतिशबाजी की, ढोल नगाड़ों पर नाचे और मिठाई बांटकर उल्लास व्यक्त किया। विजय जुलूस संसदीय कार्यालय से निकलकर गुरुधाम चौराहे होते हुए वापस कार्यालय पहुंचा, जहां कार्यकताओं ने गगनभेदी नारे लगाए, मोदी जी को बधाई हो! सुशासन जिंदाबाद!

भाजपा कार्यालय गुलाबी रोशनियों, केसरिया उमंग और जीत के जोश से अनुपम दृश्य बन गया। हर ओर एक ही स्वर गूंज रहा था, एनडीए विजय! सुशासन की विजय! काशी में यह उत्सव केवल एक राजनीतिक जीत का जश्न नहीं, बल्कि विकास और स्थिर नेतृत्व के प्रति जनता के विश्वास का अभिनंदन था। जनता ने विकास-संकल्प पर मुहर लगाई : प्रदीप अग्रहरि

भाजपा महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने कहा कि बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकासनीति और सुशासन मॉडल को पूरी शक्ति के साथ स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, यह जीत कार्यकताओं की तपस्या और जनता के आशीर्वाद की चमक है। बिहार ने बताया है कि राजनीति का आधार विकास ही है।

मोदी - योगी - नीतीश नेतृत्व की सामूहिक विजय : सरवर सिद्दीकी

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सरवर सिद्दीकी ने एनडीए की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सभी के कुशल नेतृत्व ने यह करिश्मा संभव किया। उन्होंने लड्डू वितरण कर कार्यकताओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा, यह जीत सहयोगी दलों और समर्पित कार्यकताओं की संयुक्त मेहनत का परिणाम है।

उत्सव में जुटे अनेक दिग्गज नेता व कार्यकर्ता

इस उत्सव में महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि, मेयर अशोक तिवारी, पूर्व महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय, संसदीय कार्यालय प्रभारी शिवशरण पाठक, पूर्व मेयर रामगोपाल मोहले, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सुधीर मिश्रा, नंदजी पांडेय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री मीना चौबे, पूर्व मेयर रामगोपाल मोहले, पूर्व एमएलसी शतरूद्र प्रकाश, सुभाष गुप्ता, राकेश शर्मा, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा नम्रता चौरसिया, सुरेश सिंह, निर्मला पटेल, रचना अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सहकार डिजिपे और सहकार डिजिलोन की शुरूआत की

मुंबई। नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जो कि अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों का अम्ब्रेला ऑर्गेनाईजेशन है, आज सहकार डिजिपे और सहकार डिजिलोन को लॉन्च किया। इन दोनों डिजिटल प्लेटफॉर्मों को खास उद्देश्य के लिए बनाया गया है, ताकि डिजिटल पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा सके और सभी UCBs में लोन देने के कामकाज को ऑटोमेटेड बनाया जा सके। ये पहल UCBs के मौजूदा इकोसिस्टम में कम खर्च पर डिजिटल साधनों को अपनाने, कामकाज की क्षमता को बेहतर बनाने और ग्राहकों को ध्यान में रखकर किए जाने वाले इनोवेशन को आगे बढ़ाने की NUCFDC की बड़ी योजना का हिस्सा है। को-ऑप कुंभ 2025 के दौरान माननीय केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह ने इन नए डिजिटल सॉल्यूशंस को लॉन्च किया, जो अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों को डिजिटल रूप से मजबूत और सस्टेनेबल बनाने के सरकार के विजन के अनुरूप हैं।

किरायानामा विलेखों पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस में बड़ी छूट

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। योगी सरकार ने राज्य में किरायेदारी को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए भी बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने 10 वर्ष तक की अवधि के किरायानामा विलेखों पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस में छूट मंजूर कर दी है। इसका उद्देश्य यह है कि भवन स्वामी और किरायेदार दोनों किरायानामा लिखित रूप में तैयार करें और रजिस्ट्री कराएं, जिससे विवाद कम हों और किरायेदारी विनियमन अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि वर्तमान नियमों के अनुसार एक वर्ष से अधिक अवधि की किरायेदारी विलेख की रजिस्ट्री अनिवार्य है, लेकिन आमतौर पर अधिकांश किरायानामे मौखिक होते हैं या यदि लिखित होते भी हैं तो उनकी रजिस्ट्री नहीं कराई जाती। ऐसे मामलों का पता आमतौर पर जीएसटी विभाग और बिजली विभाग जैसी एजेंसियों की पत्रावलियों की जांच में चलता है और बाद में कमी स्टाम्प शुल्क की वसूली की कार्रवाई करनी पड़ती है। यह भी अनिवार्य है कि किरायेदारी विलेख की रजिस्ट्री हो या न हो, उस पर सही स्टाम्प शुल्क हर हाल में जमा होना चाहिए। सरकार का मानना है कि यदि शुल्क अधिक होता है तो लोग विलेख लिखने और रजिस्ट्री कराने से बचते हैं। इसी वजह से मानक किरायेदारी विलेख को बढ़ावा देने और 10 वर्ष तक की अवधि के रेंट एग्रीमेंट को औपचारिक बनाने के लिए शुल्क में व्यापक छूट देने की जरूरत महसूस की गई। इस छूट प्रणाली के तहत किरायेदारी विलेख पर अधिकतम स्टाम्प शुल्क और अधिकतम रजिस्ट्रेशन फीस अब निश्चित राशि से अधिक नहीं ली जाएगी। साथ ही औसत वार्षिक किराया तय करते समय अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये रखी गई है। टोल संबंधी पट्टे और खनन पट्टों को छूट से बाहर रखा गया है ताकि राजस्व हानि न हो। स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि नई व्यवस्था के अनुसार अधिकतम स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्री शुल्क की सीमा तय कर दी गई है। यह सीमा किरायेदारी की अवधि और औसत वार्षिक किराए के आधार पर लागू होगी। इसका सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा क्योंकि अब किरायेदारी विलेख पर भारी स्टाम्प शुल्क भरने की बाध्यता नहीं रहेगी और लोग अधिक सहजता से रजिस्ट्री करा सकेंगे।

पिता पुत्र सहित चार हत्यारोपियों को आजीवन कारावास

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी रणजीत कुमार की अदालत ने 6 वर्ष पूर्व मामूली विवाद में लाठी व सरिया से मार कर हत्या करने के चार आरोपियों को दोष सिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास व 15-15 हजार रुपए अर्थ दंड से दंडित किया। एक अवयस्क आरोपी की फाइल किशोर न्याय बोर्ड भेजी गई। अभियोजन कथानक के अनुसार मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के फत्तूपुर गांव निवासी चंद्र प्रताप व रुद्र प्रताप ने अभियोग पंजीकृत करवाया कि 16 अगस्त 2019 को विजय बहादुर, रुद्र प्रताप व चंद्र प्रताप राजित राम मिश्रा की दुकान पर सामान खरीदने गए थे तभी वहां मिठाई बिंद, दिलीप बिंद, धर्मेंद्र बिंद व विपिन बिंद तथा अन्य कई लोग आकर गाली गलौज करने लगे। मना करने पर लाठी और सरिया से मारने पीटने लगे, जिससे यह तीनों लोग घायल हो गए। सदर अस्पताल ले जाने पर विजय बहादुर सिंह को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शासकीय अधिवक्ता अरुण कुमार व कौशलेंद्र बहादुर सिंह के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने हत्यारोपी मिठाई लाल व उसके भाई रामप्रसाद एवं मिठाई लाल के पुत्रगण धर्मेंद्र व दिलीप को हत्या के मामले में दोषसिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास व 15000 रुपए अर्थदंड से दंडित किया।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या, शव पहुंचने पर कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक की आजमगढ़ जनपद के ओरिल गांव में हत्या कर दी गई। गुरुवार को उसका शव तालाब के पास बरामद हुआ। मृतक की पहचान सुइथाकला (घमहा का पूरा) गांव निवासी 22 वर्षीय नरेंद्र बिंद पुत्र रामकिशुन बिंद के रूप में की गई। ज्ञात हो कि नरेंद्र अपने ननिहाल, आजमगढ़ जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र के आलमपुर बनपुरवा गया था।परिजनों के अनुसार, नरेंद्र सुबह अपने मामा के बेटे राम अवतार के साथ घर से निकला था। रास्ते में उसने राम अवतार को नहर के पास रुकने को कहा और खुद आगे चला गया। कुछ देर बाद उसने पिता से फोन पर कहा कि कुछ लोग उसे मार रहे हैं, इसके बाद कॉल कट गया और मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। राम अवतार ने तलाश शुरू की तो तालाब के पास नरेंद्र को बेहोशी की हालत में पाया। परिजन तुरंत उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की भाभी सीमा ने बताया कि उनके मायके औरिल में बगल के घर की एक युवती से नरेंद्र का एक साल से प्रेम संबंध चल रहा था। नरेंद्र उसी से मिलने आया था। वह कोयंबटूर की एक फैक्ट्री में हेल्पर के रूप में काम करता था और करीब दस दिन पहले ही घर लौटा था।नरेंद्र चार भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी मौत की खबर सुनते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है।

पीएम सूर्यघर योजना की कार्यशाला सम्पन्न, जिलाधिकारी ने सोलर ऊर्जा अपनाने पर दिया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में सोलर सिस्टम इंस्टालेशन की संपूर्ण प्रक्रिया, उपयोगिता, आवेदन से लेकर स्थापना तक सभी चरणों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि घरों एवं कार्यालयों में सोलर सिस्टम लगवाने से बिजली पर निर्भरता कम होती है, पर्यावरण प्रदूषण में कमी आती है तथा उपभोक्ताओं की आर्थिक बचत भी सुनिश्चित होती है। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद के सभी अस्पतालों में भी सोलर सिस्टम की स्थापना तत्काल कराई जाए। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों, सरकारी कर्मचारियों को भी अपने-अपने घरों पर सोलर सिस्टम लगवाने के निर्देश दिए, जिससे आमजन को इससे प्रेरणा मिल सके। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए जनपद स्तर पर व्यापक जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए जिससे आमजन इससे लाभान्वित हो सके। बैठक में उपस्थित सभी बैंकर्स को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक संख्या में आवेदनों को स्वीकृत कर योजना को गति प्रदान करें। इसके साथ ही बिना किसी उचित कारण के आवेदन को अस्वीकृत ना किया जाए, अधिक से अधिक आवेदन स्वीकृत किए जाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, परियोजना निदेशक के.के. पांडे, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंकर्स और वेंडर्स सहित अन्य उपस्थित रहे।

ईडीआईआई ने उद्यमिता पखवाड़ा के माध्यम से उद्यमिता के लिए राष्ट्र स्तर पर अभियान की शुरूआत की

मुंबई। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद, जो कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सेन्टर ऑफ एक्सिलेंस है, अपनी पहल उद्यमिता पखवाड़ा 2025 के शुभारंभ की घोषणा की है। यह उद्यमिता और इनोवेशन का एक देशव्यापी उत्सव है, जिसका उद्देश्य उद्यमशील सोच को प्रोत्साहित करना और स्थानीय नवाचार पारिस्थितिक तंत्र को सुदृढ़ करना है। यह पहल, राज्य सरकारों के शिक्षा विभागों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के सहयोग से लागू की जा रही है और विश्व के तीसरे सबसे बड़े उद्यमशील इकोसिस्टम में विविध वर्गों के बीच नवाचार, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर केन्द्रित है। उद्यमिता पखवाड़ा का उद्घाटन 09 नवम्बर 2025 को लेह, लद्दाख में लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता द्वारा किया गया। यह उद्घाटन कार्यक्रम राष्ट्रीय उद्यमिता दिवस के अवसर के साथ आयोजित हुआ, जिसमें एंटरप्राइजिंग लद्दाख रिपोर्ट तथा उद्यमों की केटलोग का विमोचन किया गया, साथ ही कार्यक्रम के तहत स्थापित 80 से अधिक स्थानीय उद्यमों को प्रदर्शित करने वाली प्रोडक्ट वॉल एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया गया। एंटरप्राइजिंग लद्दाख थीम के अंतर्गत अब तक 1,500 से अधिक लद्दाखी विद्यार्थियों को उद्यम विकास, एमएसएमई सेटअप, बैंकिंग एवं मार्केटिंग के विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। लद्दाख में सफल शुभारंभ के बाद, 09 नवम्बर 2025 से 21 नवम्बर 2025 के बीच भारत के अनेक राज्यों में समान क्षेत्र-केन्द्रित कार्यक्रम समानांतर रूप से आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों और नवोदित उद्यमियों को व्यवसाय स्थापना एवं नवाचार का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके। कार्यक्रम गुजरात, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, असम, कर्नाटक, ओडिशा, मेघालय, छत्तीसगढ़ और मणिपुर सहित कई अन्य क्षेत्रों में जारी रहेगा, जहाँ प्रत्येक गतिविधि स्थानीय उद्यमशील सामर्थ्य और अवसरों को प्रतिबिंबित करने वाली एक विशिष्ट थीम पर केन्द्रित होगी। इस पहल के अंतर्गत सहभागी क्षेत्रों में कार्यशालाएँ, प्रदर्शनियाँ, संवाद सत्र, प्रतियोगिताएँ एवं मेंटरशिप सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिन्हें स्थानीय आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार किया गया है, जबकि सभी एक साझा दृष्टि से जुड़े हुए हैं। उद्यमिता पखवाड़ा के शुभारंभ पर ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहाः आज उद्यमिता भारत की प्रगति का केंद्र बिन्दु बन चुका है। पूरे देश में अपार अविकसित/अप्रयुक्त प्रतिभा, विचार और संकल्प मौजूद हैं, जिन्हें दिशा दिए जाने की प्रतीक्षा है। उद्यमिता पखवाड़ा के माध्यम से हमारा प्रयास इस जज्बे को प्रज्वलित करने का है, ताकि समाज के हर वर्ग के लोग अपनी आकांक्षाओं को ऐसे उद्यमों में रूपांतरित कर सकें, जो समावेशी और सतत विकास को आगे बढ़ाएँ।

जनसेवा संकल्प दिवस के रूप में बाबा दुबे ने मनाया जन्मदिन

जौनपुर। बदलापुर विधानसभा के पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबे उर्फ बाबा दुबे ने आज जन सेवा संकल्प दिवस के रूप में अपना 62 वा जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्होंने गरीबों, दलितों, शोषितों की सेवा का संकल्प लेते हुए कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी समाज में व्याप्त छुआछूत हमारी कथित प्रगति पर सवालिया निशान खड़ा करते हैं। उन्होंने कहा कि देश सभी का है और सभी को मिलकर इसके विकास में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिसंबर महीने से वे जन-जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ करने जा रहे हैं, जिसके तहत वे अपना 100 दिन और 100 रातें बिना किसी जातीय भेदभाव के ग्राम वासियों के बीच बिताएंगे और उनके सुख दुख जानने का प्रयास करेंगे। जन्मदिन के अवसर पर मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे , प्राथमिक शिक्षक संघ ,जौनपुर के अध्यक्ष अनिल यादव, दैनिक जागरण के पत्रकार प्रमोद पांडे समेत अनेक लोगों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

बाल दिवस समारोह में पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने की शिरकत

कांदिवली, मुंबई। कांदिवली स्थित पोईसर जिमखाना के तत्वावधान में बाल दिवस समारोह-2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई और बाल दिवस समारोह में शामिल होने आए बालकों, उनके अभिभावकों तथा वहां उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ पोईसर जिमखाना के अध्यक्ष मुकेश भंडारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बढ़ते कद को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने नितेश सिंह को बनाया युवा जिला उपाध्यक्ष

-तारकेश्वर पांडे,

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रणवीर बाजपेई द्वारा नितेश सिंह को युवा जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी में उभरते हुए युवा चेहरा एवं लोकप्रियता तथा कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में नितेश सिंह को देख रही है, क्योंकि वे पिछले लगभग 20 वर्षों से लगातार भाजपा के लिए कार्य करते आ रहे हैं। इसीको ध्यान में रखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिम्मेदारी मिलने पर नितेश सिंह ने विधायक नरेंद्र मेहता, जिला अध्यक्ष दिलीप जैन, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रणवीर बाजपेई सहित संगठन के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे दी गई जिम्मेदारी का सम्मानपूर्वक और समर्पित भाव से निर्वहन करेंगे। आगे उन्होंने कहा कि आने वाले महानगरपालिका चुनाव में भाजपा की विजय सुनिश्चित करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। महानगरपालिका के चुनाव में उम्मीदवारी को लेकर मीडिया से सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह शीर्ष नेतृत्व तय करेगा।

बाल दिवस पर याद किए गए चाचा नेहरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 14 नवंबर चिल्ड्रन डे के अवसर पर विभिन्न स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित हुए इसी कड़ी में जमालपुर के एम एम एस पब्लिक स्कूल में फैंसी ड्रेस और बाल मेला का आयोजन किया गया जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चों ने बढ़-चढ़ करके हिस्सा लिया। इस मौके पर डॉ दिलशाद हुसैन खान प्रबंधक स्कूल ने कहा कि हम आज प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मोत्सव को बाल दिवस के रूप में मना रहा है क्योंकि उनको बच्चों से बेहद प्रेम था और बच्चे हमारे कल का भविष्य हैं और भविष्य की रीढ़ की हड्डी है उनके मन में आज हम जो प्रेम रूपी आपसी सद्भाव और राष्ट्र प्रेम और राष्ट्रीय एकता डालेंगे वही यह आगे लेकर के जाएंगे जो देश हित के काम आएगा।

किशोरी का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने पड़ोस के युवक पर उसकी पुत्री के साथ अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देने और छेड़खानी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया कि बीते रबिवार को बांधगांव निवासी विशाल पुत्र रामदवर ने उसकी बेटी को बहला फुसलाकर उसकी अश्लील वीडियो बना ली। आरोप है कि आरोपी युवती को वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए लगातार छेड़खानी करता है और विरोध पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। पीड़ित पिता द्वारा पुलिस से मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपित विशाल पुत्र राम दवर के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 73, 74, 352, 351 (3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

विरासत ढही, विश्वास जीता, फिर नीतीश, तेजस्वी विपक्ष के भी लायक नहीं

वाराणसी। बिहार की राजनीति में 2025 का जनादेश एक निर्णायक मोड़ लेकर आया है। चुनाव परिणामों ने साफ कर दिया कि राज्य की जनता ने एक बार फिर स्थिरता, अनुभव और विश्वसनीयता को तरजीह दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भरोसा बरकरार रखते हुए एनडीए को प्रचंड बहुमत मिला है। जेडयू बीजेपी गठबंधन का यह प्रदर्शन 2010 की याद दिलाता है, जब बिहार ने विकास और सुशासन के नाम पर नीतीश को ऐतिहासिक समर्थन दिया था।

इसके उलट तेजस्वी यादव की राजनीति इस बार पूरी तरह धराशायी हो गई। आरजेडी 25 से 26 सीटों के आसपास सिमट गयी है, जो नेता प्रतिपक्ष बनने की न्यूनतम 24 सीटों की शर्त से भी मुश्किल से ऊपर है। यह स्थिति बताती है कि तेजस्वी न तो सत्ता की दौड़ में टिक पाए और न ही एक मजबूत विपक्ष देने की स्थिति में लौट सके। राघोपुर में पिछड़ना और महुआ में तेज प्रताप का चौथे स्थान पर खिसकना ह्वविरासत की राजनीतिह्न के अवसान का संकेत है।

कांग्रेस गठबंधन, सीट बंटवारे की गलतियां, मुकेश सहनी को बढ़ा महत्व देना, और महिलाओं व युवा मतदाताओं तक संदेश न पहुंचना, इन सबने मिलकर आरजेडी का सूपड़ा साफ कर दिया। उधर एनडीए को महिला वोटरों, युवा समर्थन और मोदी - नीतीश की संयुक्त स्वीकार्यता का बड़ा लाभ मिला। जनादेश का संदेश साफ है, बिहार विवाद नहीं, विश्वास चाहता है। इसलिए फैसले की रेखा यही कहती है, फिर नीतीश, फिर स्थिर सरकार। मतलब साफ है बिहार के नतीजों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि राजनीति सिर्फ नारों और वादों का खेल नहीं, बल्कि जनविश्वास, स्थिरता, और जमीनी पकड़ का नाम है। इस बार का जनादेश न केवल एनडीए के पक्ष में आया है, बल्कि उसने यह भी स्पष्ट संदेश दिया है कि बिहार की राजनीति में अनुभव और भरोसे के सामने भावनात्मक और आक्रामक राजनीति की सीमा बहुत छोटी है।

तेजस्वी के सीएम सपने से आगे बढ़कर अब विपक्ष भी दूर

तेजस्वी यादव ने इस चुनाव में मुख्यमंत्री बनने का सपना खुलकर देखा, भाषणों में दावा किया, प्रचार में ऊर्जा झोंकी, लेकिन नतीजों ने उनकी राजनीतिक जमीन को पहले से भी संकरी कर दिया है। आरजेडी 25 - 26 सीटों पर ही सिमट गयी, जबकि नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए न्यूनतम 24 विधायकों की आवश्यकता है। यानी हालात ऐसे बन रहे हैं कि तेजस्वी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी तक से दूर हो सकते हैं, जो न केवल राजनीतिक झटका है, बल्कि भविष्य की रणनीति के लिए बड़ा संकेत भी। यह परिदृश्य 2010 की जैसी कड़वी हार की याद दिलाता है, जब आरजेडी 168 सीटों पर लड़कर सिर्फ 22 सीटें जीत सकी थी और नेता प्रतिपक्ष का पद भी हाथ से चला गया था। इस चुनाव ने सीएम कौन बनेगा? का सवाल लगभग खत्म कर दिया है। एनडीए की प्रचंड विजय और जेडयू बीजेपी के संयुक्त प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है बिहार में महाराष्ट्र मॉडल की राजनीति की कोई गुंजाइश नहीं. नीतीश कुमार का अनुभव और स्थिरता आज भी विकल्पहीन. बीजेपी का संगठन मजबूत, पर स्वीकार्य चेहरा अभी भी नीतीश कुमार ही, 2020 में जेडयू की सीटें गिरीं, तो नीतीश की स्थिति कमजोर कही गई। लेकिन 2025 में आंकड़ों ने यह भ्रम तोड़ दिया, नीतीश न केवल अपने कोर वोट बैंक को बचाने में सफल रहे, बल्कि बीजेपी जेडयू का सामाजिक समीकरण भी और मजबूत होकर उभरा। बीजेपी इस चुनाव में शानदार स्ट्राइक रेट लेकर आई है, पर बिहार में आज भी देवेंद्र फडणवीस जैसा सर्वमान्य चेहरा नहीं उभर पाया है। यही वजह है कि भाजपा के लिए नीतीश की स्वीकार्यता ही सबसे सुरक्षित और व्यावहारिक विकल्प है।

तेजस्वी की रणनीति कहाँ चूक गई? पाँच बड़े कारण

1. कांग्रेस को साथ लेकर की पहली गलती : कांग्रेस का बिहार में न जमीन है न नेटवर्क। आरजेडी ने सीट शेयरिंग में कांग्रेस को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया, जिसका सीधा नुकसान हुआ। कांग्रेस ने कई जगह आरजेडी के पारंपरिक वोट बैंक को ही काटा, लेकिन खुद जीत नहीं सकी।

2. सीट बंटवारे में राहुल - प्रियंका के इंतजार में समय गंवाया : तेजस्वी महीनों तक कांग्रेस हाईकमान के इशारे का इंतजार करते रहे। जमीन छोड़कर दिल्ली के चक्कर लगाने का परिणाम, जमीनी तैयारी कमजोर, संगठन में नाराजगी, कई मजबूत सीटें हाथ से निकल गईं.

टैफे ट्रैक्टर्स ईवी ने ट्रैक्टर ऑफ द ईयर सस्टेनेबल श्रेणी के टॉप 5 फाइनलिस्टों में जगह बनाई

मुंबई, 11 नवंबर, 2025ः एग्रीटेक्निका 2025 में, टैफे -ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड- विश्व के एक सबसे बड़े ट्रैक्टर निमार्ता ने अपने अगली पीढ़ी के इलेक्ट्रिक हाइब्रिड ट्रैक्टर -टैफे EVX75 का अनावरण किया, साथ ही टैफे EV28 इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर को सस्टेनेबल ट्रैक्टर श्रेणी में ट्रैक्टर ऑफ द ईयर 2026 पुरस्कार के लिए फाइनलिस्ट चुने जाने की एक ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न भी मनाया गया। EVX75 के अलावा, टैफे ने अपनी नई विजन गाइडेंस सिस्टम और नई रेंज भी प्रदर्शित की। इसमें एक नए कैब वाला 100 HP का ट्रैक्टर (TAFE 1015), 74 HP का ऑर्चर्ड और फ्रूट ट्रैक्टर (TAFE 7515 GE), और कॉम्पैक्ट यूटिलिटी सीरीज, 65 HP (TAFE 6065) का ट्रैक्टर शामिल है, इनमें से प्रत्येक ट्रैक्टर को यूरोपियाई कृषि के अनुसार विविध प्रकार के परिचालन और आवश्यकताओं के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। आज, टैफे केवल एक ट्रैक्टर निमार्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण कृषि-समाधान का गंतव्य बन रहा है, जिसका लक्ष्य 100 हॉर्सपावर से कम क्षमता वाले ट्रैक्टर खंड में वैश्विक अग्रणी बनकर उभरना है। कंपनी वैश्विक बाजारों में किसानों को सशक्त बनाने के लिए परिशुद्ध कृषि प्रौद्योगिकी, स्वचालन और वैकल्पिक ऊर्जा प्लेटफार्मों में महत्वपूर्ण निवेश कर रही है।

इंडियन फिल्म एण्ड टेलीविजन अवार्ड्स के तीसरे सीजन की हुई घोषणा

मुंबई। मुंबई में आयोजित होने वाले साल 2025 के सबसे बड़े पुरस्कार समारोह इंडियन फिल्म एण्ड टेलीविजन अवार्ड्स के तीसरे सीजन की घोषणा कर दी गयी है। रविवार 9 नवंबर को मोक्सी होटल बाय मैरियट में मशहूर हस्तियों के बीच आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसके भव्य पोस्टर का अनावरण किया गया।

इस अवसर पर आईआईएफटीए के संस्थापक और अध्यक्ष भैरू जैन और निधि समाजपति के साथ ही सह-संस्थापक और निदेशक राहुल हांडा, अभिनेता सलमान शेख, प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री महिमा गुप्ता, बिल्डर उस्मान लकड़ावाला और अंतर्राष्ट्रीय सेलिब्रिटी एंकर डॉ वैभव शर्मा, अभिनेत्री कीर्ति चौधरी, अभिनेत्री और मॉडल अर्शी मलिक, अभिनेत्री अनुप्रिया परमार, राजेंद्र गोंधिया, रजनीश मिश्रा, भावेश नाहर, जिशान अंसारी, लालूभाई जोशी और विक्रांत ने अपनी जोरदार उपस्थित दर्ज करायी। आयोजक भैरू जैन और निधि समाजपति ने कहा कि, हम अपने सभी प्रायोजकों और शुभचिंतकों को बधाई देते हुए हमारे ग्राफिक डिजाइनर भव्य जैन और अरहम ऑस्ट्रोलोजर भावना जैन को विशेष धन्यवाद देते हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 107वे स्थापना दिवस का आयोजन

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 11 नवंबर, 2025 को बैंक के 107वे स्थापना दिवस का आयोजन किया गया. इस अवसर पर, मुंबई के बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बैंकिंग सेवाओं में विश्वास, नवाचार और उत्कृष्टता की एक शताब्दी से अधिक की उपलब्धि को दर्शाया गया. इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एम. नागराजू, आईएएस, सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस), वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, की गरिमामय उपस्थित रही.